राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 52
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 06 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किया गये ताकि मतदाता अपने आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ सकें

पेज 5 गोरखपुर और कुशीनगर में मुठभेड़, दो पशु तस्करों के पैर में लगी गोली; 5 गिरफ्तार

पेज 7 पाकिस्तान में बाढ़ के बाद 47000 से अधिक गर्भवती महिलाओं पर संकट, आश्रय शिविरों में रहने को मजबूत

बेटा दूसरे नंबर पर आया तो टॉपर को मार डाला

महिला स्कूल पहुंची, चौकीदार के हाथों 8वीं के छात्र को जहर मिला जूस पिला दिया

एजेंसी

कराईकल। पुडुचेरी के कराईकल में एक छात्र को परीक्षा में टॉप करना भारी पड़ गया। सेकंड टॉपर की मां ने उसे जहर देकर मार दिया। आरोपी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला को छात्र के अव्वल आने पर जलन होती थी।

मृतक छात्र की पहचान बाला मणिकंदन (13) के रूप में हुई है, जो अपने माता-पिता राजेंद्रन और मालती के साथ कराईकल की नेहरू कॉलोनी में रहता था। वह कराईकल के प्राइवेट स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ता था। उसने हाल ही में अपनी क्लास में टॉप

किया था। इससे परीक्षा में दूसरे नंबर पर रहे छात्र की मां विक्टोरिया दुखी थी। इसके चलते उसने बाला को मारने की योजना बनाई।

स्कूल से आने के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ी

पुलिस ने बताया कि शनिवार को स्कूल से आने के बाद छात्र की तबीयत बिगड़ गई। उसे लगातार उल्टी होने लगी। जब उसकी मां ने उससे पूछा कि क्या उसने स्कूल में कुछ खाया, तो उसने बताया कि उसने जूस पिया था, जो चौकीदार ने उसे दिया था। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी से हुई महिला की पहचान

बाला के माता-पिता ने चौकीदार से पूछा कि उसे जूस क्यों दिया था, तो उसने बताया कि एक महिला उसके पास आई और बोली कि यह जूस बाला को दे देना, यह उसके घर से आया है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर महिला चौकीदार को जूस देती नजर आई। बाद में, उसकी पहचान बाला के क्लासमेट अरुल मैरी की मां विक्टोरिया के रूप में हुई।

महिला बोली- बाला से होती थी जलन

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से भी पता चला कि ड्रिंक में जहर मिला हुआ था। इसके बाद पुलिस ने विक्टोरिया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि बाला क्लास में टॉप करता था, जबकि उसका बेटा दूसरे नंबर पर आता था। इससे उसे जलन होती थी। इसके बाद पुलिस ने विक्टोरिया को न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

लखनऊ : होटल लेवाना में लगी आग, 4 की मौत

लखनऊ में बिना नक्शा पास कराए चल रहा था, मालिक हिरासत में

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार सुबह 7 बजे होटल लेवाना की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। 24 लोगों को होटल से रेस्क्यू किया गया। करीब 9 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। हादसे के वक्त होटल में करीब 30 लोग मौजूद थे। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। उनसे मिलने सीएम योगी और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पहुंचे। उन्होंने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। इसके बाद होटल को सील कर दिया गया है। होटल लेवाना बिना नक्शा पास कराए चल रहा था।

कमिश्नर रोशन जैकब ने होटल के ध्वस्तीकरण का आदेश दिया है। साथ ही पुलिस ने होटल के मालिक राहुल अग्रवाल, रोहित अग्रवाल और तरूु सागर श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है। उधर, इस अग्निकांड के चारों मृतकों गुरनूर आनंद, साहिबा कौर, बॉबी उर्फ अमन गाजी और सरविका सिंह के शव शाम 7.20 बजे उनके परिजनों को सौंप दिए गए।

हादसे के वक्त 30 कमरों में 18 बुक थे

लखनऊ के डीएम सूर्य पाल गंगवार भी होटल पहुंचे थे। उन्होंने कहा, होटल में कुल 30 कमरे हैं। हादसे के वक्त 18 कमरे बुक थे। कुछ लोगों ने हादसे से पहले होटल छोड़ा था। रूम नंबर 308 में फंसे हुए शख्स को मोबाइल के जरिए ट्रेस किया गया। होटल परिसर को सील किया गया है। मरने वालों के परिवार से बात की गई है।

दो मृतक मंगेतर थे, कमरे के बाहर मिली लाशें

गणेशगंज के सराय फाटक पर रहने वाले गुरनूर आनंद अपनी मंगेतर साहिबा कौर के साथ इस होटल में ठहरे थे। अग्निकांड के बाद दोनों के शव तीसरी मंजिल की गैलरी में मिले। अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने बचने का प्रयास किया। मगर, धुंए की वजह से दम घुट गया। इसी से दोनों की मौत हो गई।

इंदिरानगर के अमान और श्रीविका भी बच नहीं सके

बाकी दो शवों की पहचान भी हो गई है। लखनऊ के इंदिरानगर में रहने वाले अमान गाजी उर्फ बॉबी की भी हादसे में मौत हो गई।

जबकि इंदिरानगर की रहने वाली श्रीविका सिंह उर्फ चिया भी नहीं बच सकीं। उनकी लाश होटल के कमरे से निकाली गई है। पुलिस पोस्टमार्टम के बाद चारों के शव परिवार के हवाले करेगी।

किचन से फैली आग

अग्निशमन विभाग की पड़ताल में सामने आया कि तीसरी मंजिल पर ही किचन था। बताया जाता है कि आग यहीं से फैली है। सबसे पहले दो शव इसी मंजिल की गैलरी में मिले थे। बाकी शव तीसरी मंजिल के कमरे से निकाले गए।

सीएम योगी ने पुलिस कमिश्नर को जांच सौंपी

धुआं भर जाने की वजह से कई लोग बेहोश हो गए थे। दमकल की 24 गाड़ियां आग बुझाने के लिए लगाई गईं। एंबुलेंस से 8 लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ सिविल अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंचे। घायलों से बात करने के बाद उन्होंने लखनऊ के कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर को जॉइंट जांच कराने के लिए कहा है।

टीचर्स डे पर कच्चे अध्यापकों को तोहफा

पंजाब में 8,736 टीचर रेगुलर होंगे, सीएम भगवंत मान ने किया ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में टीचर्स डे पर कच्चे अध्यापकों को बड़ा तोहफा मिला है। पंजाब में जल्द 8,736 अध्यापक रेगुलर होंगे। श्री आनंदपुर साहिब में समागम के दौरान सीएम भगवंत मान ने यह ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इसमें 5,442 एजुकेशन प्रोवाइडर, 1,130 इनक्लूसिव एजुकेशन वालंटियर सीधे पक्के किए जाएंगे। इनके अलावा ट्रांसपेरेंट पॉलिसी के अधीन आए 1,639 और बोर्ड के तहत आए 525 अध्यापक भी पक्के किए जाएंगे। मान ने कहा कि कैबिनेट की मीटिंग में इस पर फैसला हो गया है।

मान ने कहा कि जल्द ही बोर्ड और कार्पोरेशन के कर्मचारियों का भी नंबर आएगा।

सीएम बोले- टीचर्स को बहुत मुश्किलें होती हैं

मान ने कहा कि मैं स्वर्गीय मास्टर मोहिंदर सिंह जी का बेटा हूं। 6वीं से लेकर 8वीं तक मैंने उसी स्कूल में पढ़ाई की, जहां मेरे पिता हेडमास्टर थे। टीचर्स के लिए बड़ी मुश्किल है क्योंकि उनकी ड्यूटी कभी वोटिंग, कभी कोरोना में तो कभी कहीं लगा दी जाती है।

डिजिटल तरीके से होगी पढ़ाई

मान ने कहा कि हमें पढ़ाई का तरीका डिजिटल करना होगा। कोरोना के वक्त यह हुआ लेकिन वह माहौल नहीं बना। यह स्कूलों में होना चाहिए। टीचर्स भी तभी पढ़ा पाएगा, जब पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर होगा।

एमसीडी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता के संबंध में जांच के आदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को लेकर सोमवार को एमसीडी को नोटिस भेजा और जांच करने के आदेश दिए हैं। डीसीपीसीआर के अध्यक्ष अनुराग कुंडू ने ट्वीट कर कहा, डीसीपीसीआर ने एमसीडी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता के संबंध में जांच के आदेश दिए हैं। एमसीडी स्कूलों के प्रदर्शन को पूरे भारत में नीचे से पांचवां स्थान दिया गया है।'' डीसीपीसीआर द्वारा जारी जांच के नोटिस में कहा गया है कि प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी दिल्ली नगर निगम की है।

देश में कोरोना सक्रिय मामलों में आयी कमी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के सक्रिय मामले 1140 घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 53974 रह गयी। जबकि कोरोना संक्रमण के 5910 नए मामले सामने आए है और इस महामारी से 7034 लोग मुक्त हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 213.52 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में कोरोना वायरस के 5,910 नए मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 4,44,62,445 हो गयी है और सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 53974 रह है। दैनिक संक्रमण दर 2.60 प्रतिशत है। कोरोना महामारी से नौ लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 528007 तक पहुंच गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 7,034 लोगों के मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 4,38,80,464 हो

गयी हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 2,27,313 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.73 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

देश में स्वस्थ होने की दर 98.69 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.12 प्रतिशत है और मृत्युदर 1.19 फीसदी है।

देश में पिछले 24 घंटों में छह राज्यों, दो केन्द्र शासित प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ी है और अन्य राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामले घटे हैं।

महाराष्ट्र में 330 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 8364 रह गयी है और इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 7948226 हो गयी है। राज्य में तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 148264 हो गयी है।

राष्ट्रीय राजधानी में 120 कोरोना सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1172 रह गये हैं और कोरोना महामारी से अब तक 1972992 लोग मुक्त हो गए हैं। राहत की बात यह है कि इस अवधि में किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की संख्या 26477 पर स्थिर है।

रेप के आरोपी शिवमूर्ति के शिष्य की संदिग्ध मौत, सुसाइड नोट मिला पर वजह साफ नहीं

लिंगायत मठ सेक्स केस में नाम आने से परेशान थे

बेंगलुरू। कर्नाटक के बेलगाम मठ में बसव सिद्धलिंग स्वामी का शव मिला है। शिष्यों ने सोमवार को जब मठ का कमरा खोला तो सिद्धलिंग का शव फांसी से लटका था। यहां एक सुसाइड नोट भी मिला है। हालांकि इस सुसाइड नोट में क्या लिखा है, यह साफ नहीं हो पाया है।

बसव सिद्धलिंग स्वामी लिंगायत मठ के संत शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू के शिष्य थे। शिवमूर्ति पर यौन शोषण के आरोप हैं। नाबालिगों के आरोपों के बाद शिवमूर्ति को गिरफ्तार किया गया था। वो जेल में हैं। बताया जा रहा है कि लिंगायत मठ में यौन शोषण से जुड़े एक ऑडियो में अपना नाम आने से बसव सिद्धलिंग स्वामी परेशान थे। इस ऑडियो में दो महिलाएं कर्नाटक के मठों में कथित यौन शोषण के आरोपों का जिक्र कर रही थीं। बातचीत में महिलाओं ने बसव सिद्धलिंग का भी नाम लिया था।

शिवमूर्ति 14 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में

सेक्स कांड के आरोपी शिवमूर्ति की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने उसे 14 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले पुलिस ने शनिवार को शिवमूर्ति के पुरुषत्व की जांच कराई है। मैसूर के एनजीओ ओडानाडी के डायरेक्टर स्टैनली के. वर्गीस लिंगायत संत के खिलाफ सीबीआई या अदालत की निगरानी में जांच की मांग कर रहे हैं। वर्गीस ने कहा था कि प्रशासन में कुछ लोग शिवमूर्ति को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। मठ की ओर से संचालित स्कूलों के हॉस्टल से पहले भी लड़कियों के लापता होने की खबरें आ चुकी हैं। इनमें से कई लड़कियों के साथ दुष्कर्म की बात भी सामने आई थी। कई पीड़िताओं को पैसे देकर चुप कराया गया।

मठ के स्कूल में पढ़ती हैं पीड़ित लड़कियां

आरोप लगाने वाली किशोरियों का कहना है कि वे मठ की ओर से संचालित स्कूल में पढ़ती हैं, उनकी उम्र 15 और 16 साल है। संत ने उनका साढ़े तीन साल से अधिक समय तक यौन शोषण किया। पीड़ित 24 जुलाई को हॉस्टल से निकलीं और 25 जुलाई को कॉटनपेट पुलिस स्टेशन पहुंचीं। इसके बाद 26 अगस्त को उन्होंने मैसूर के नजराबाद पुलिस स्टेशन में लिंगायत संत के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

सीवीसी नियुक्ति के लिए केंद्र को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सरकार के विज्ञापनों के बावजूद महीनों से लंबित सतर्कता आयुक्त और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश देने की गुहार वाली याचिका पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से एनजीओ 'कॉमन कॉज' द्वारा दायर याचिका पर सरकार से जवाब तलब किया। पीठ ने इस मामले में केंद्र से जवाब देने को कहा है, क्योंकि याचिका में केंद्रीय सतर्कता आयोग में लंबे समय से लंबित रिक्तियों को समय पर और पारदर्शी तरीके से भरने का आदेश देने की गुहार लगाई गई थी। याचिका में कहा गया है कि कोई नियुक्ति नहीं की गई है। हालांकि, 2020 के अक्टूबर में रिक्ति की उम्मीद में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा 17 जुलाई 2020 को विज्ञापन जारी किया गया था।

सीबीआई ने सिसोदिया के दावों का किया खंडन

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के उन दावों का खंडन किया कि एजेंसी के उप-कानूनी सलाहकार जितेंद्र कुमार ने इसलिए आत्महत्या की क्योंकि उन पर एक मजबूत झूठा मामला बनाने के लिए दबाव डाला गया था। जांच एजेंसी ने सोमवार को एक बयान में सिसोदिया के बयान का खंडन किया। सीबीआई ने दिल्ली

आबकारी नीति से संबंधित केस आरसी नंबर 53/2022 में प्राथमिकी के नामजद आरोपियों में से एक श्री मनीष सिसोदिया द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किये गये इस दावे को साफ खारिज किया कि सीबीआई में उप-कानूनी सलाहकार जितेंद्र कुमार ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि उन पर दबाव डाला गया कि उनके (श्री सिसोदिया के) खिलाफ एक मजबूत झूठा मामला बनाओ। सीबीआई ने सिसोदिया के इस शरारती और भ्रामक बयान का जोरदार खंडन किया। यह स्पष्ट किया जाता है कि अधिकारी दिवंगत जितेंद्र कुमार किसी भी तरह से इस मामले की जांच से जुड़े नहीं थे।

दिल्ली में बेटे ने मां को मार डाला: हत्या के 2-3 दिन बाद अपना गला भी रेता

खुदकुशी से पहले 77 पन्नों का सुसाइड नोट लिखा

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में 25 साल के एक लड़के ने सुसाइड कर लिया। इसके तीन दिन पहले यानी 1 सितंबर को ही उसने अपनी मां की हत्या कर दी थी। मृतकों में बेटे का नाम क्षितिज और मां का नाम मिथिलेश था।

घटना रविवार की है। पुलिस ने बताया कि क्षितिज के पास से 77 पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है।

नोट में लिखा- मां को मार डाला

नोट में क्षितिज ने लिखा- मैंने गुरुवार को अपनी मां को मार डाला और अब खुद की गर्दन काटकर आत्महत्या कर रहा हूं। बेरोजगारी की वजह से कई दिनों से डिप्रेशन में हूं। पुलिस ने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। परिवार के बारे में जानने के लिए रिश्तेदारों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बदबू आने पर पड़ोसियों ने दी पुलिस को जानकारी

क्षितिज ने गुरुवार को मां की हत्या कर शव बाथरुम में रखा था। रविवार को उसने भी सुसाइड कर लिया, जब शवों की बदबू पड़ोसियों को आई तो उन्होंने रविवार रात करीब 8 बजे पुलिस कंट्रोल रूम फोन किया। पुलिस जब मृतकों के घर पहुंची तो देखा की दरवाजा अंदर से बंद है। बालकनी से घर में घुसे और मामले की जांच की।

कुछ साल पहले हो गया था पिता का निधन

पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, क्षितिज अपनी मां मिथिलेश के साथ रहता था। उसके पिता श्रीनिवास का कुछ साल पहले ही निधन हो गया था। क्षितिज कई समय से नौकरी नहीं मिलने को लेकर परेशान था।

चुनावी वादे — गुजरात में सरकार बनी तो 300 यूनिट तक बिजली फ्री, गैस भी 500 रु. में देंगे

राहुल ने किसानों का कर्ज माफ करने का ऐलान किया

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को अहमदाबाद पहुंचे। यहां राहुल ने राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों का 3 लाख रुपए तक का कर्ज माफ करने का वादा किया। साथ ही 300 यूनिट फ्री बिजली और गैस सिलेंडर 500 रुपए में देने का ऐलान भी किया। राहुल ने 10 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात भी कही।

राहुल ने कोरोना से मरने वालों के परिवारों को मुआवजा देने का वादा भी किया। उन्होंने कहा- गुजरात में कोरोना से तीन लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, लेकिन राज्य सरकार ने मृतकों के परिवार वालों की कोई मदद नहीं की। हमारी सरकार बनी तो कोरोना से मरने वालों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा देंगे।

सरदार पटेल होते तो किसानों का कर्ज माफ करते

राहुल ने कहा- हमारी लड़ाई पार्टी से नहीं है, बल्कि एक विचारधारा से है। सरदार पटेल ने किसानों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। भाजपा एक तरफ उनकी सबसे बड़ी मूर्ति तो बनाती है, लेकिन उनके विचारों के खिलाफ काम करती है।आज अगर

सरदार पटेल होते तो पहले किसका कर्ज माफ करते, किसानों का या उद्योगपतियों का। जिन किसानों के लिए सरदार जीते थे, भाजपा उन्हीं किसानों के लिए तीन काले कानून ले आई। भाजपा ने किसानों के अधिकार छीन लिए।

नोटबंदी से छोटे व्यापारियों को नुकसान हुआ

राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात ऐसा राज्य है जहां आंदोलन के लिए परमिशन लेनी पड़ती है। जिसके खिलाफ आंदोलन करना है, उससे ही परमिशन लेनी पड़ेगी। हिंदुस्तान में किसी को बिजनेस समझना हो तो वह गुजरात आए, लेकिन गुजरात सरकार छोटे कारोबारियों की कोई मदद नहीं करती है।
छोटे व्यापारियों को नोटबंदी से कोई फायदा नहीं हुआ। बड़े-बड़े उद्योगपतियों को ही फायदा हुआ। किसी भी व्यापारी से पूछिए तो बताएगा कि त्रस्ज्ञ से भी सिर्फ नुकसान हुआ। राहुल दोपहर करीब 12 बजे अहमदाबाद पहुंचे। उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे।
राहुल ने साबरमती रिवरफ्रंट पर कांग्रेस के करीब 52 हजार बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा को लेकर 32 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। 7 सितंबर से शुरू हो रही 'भारत जोड़ो यात्रा' के तहत 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 3,500 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की जाएगी और यह लगभग 150 दिनों में पूरी होगी।

शार्ट न्यूज

कर्नाटक के मठ में लिंगायत संत ने दी जान, वीडियो को लेकर बताए जा रहे थे अपसेट

बेंगलुरू। कर्नाटक में एक लिंगायत संत के मृत पाए जाने के बाद सनसनी फैल गई। यह संत बेलागावी जिला स्थित बेलहोंगल के नजदीक नेगिनहाल गांव स्थित मठ के अपने कमरे में मरे पाए गए। इस संत का नाम बसव सिद्धालिंगा स्वामी बताया गया है। 28 साल के यह संत श्री गुरु मदिवलेश्वर मठ से ताल्लुक रखते थे। सोमवार सुबह उनके अनुयायियों द्वारा कई बार पुकारने पर भी जब जवाब नहीं मिला तो उनके कमरे का दरवाजा तोड़ना पड़ा था। दरवाजा तोड़ने पर उनका शव कमरे में पाया गया। पुलिस के मुताबिक संत का एक कथित सुसाइड नोट बरामद किया है। हालांकि सुसाइड नोट में क्या लिखा है, इस बारे में अभी तक पता नहीं चल सका है। वहीं मौत की सही वजह तलाशने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक यह संत एक वीडियो को लेकर काफी ज्यादा अपसेट थे। इस वीडियो में दो महिलाएं कर्नाटक के कुछ मठों में सेक्सुअल असॉल्ट को लेकर चर्चा कर रही हैं। गौरतलब है कि कर्नाटक के लिंगायत मठ के संत शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। संत शिवमूर्ति मुरुघा पर नाबालिगों से यौन शोषण करने का आरोप है।

लिंगायत मठ के प्रधान पुजारी ने फांसी लगायी

बेलगावी। कर्नाटक में बेलगावी जिले के नेगिनहाल गांव में गुरु मदीवालेश्वर मठ के प्रधान पुजारी बसवा सिद्धलिंग स्वामी सोमवार को सुबह अपने कमरे में फांसी पर लटके मिले। पुलिस के अनुसार घटना का पता तब चला जब कुछ भक्तों ने बसवा को अपने कमरे से अपने सामान्य सुबह के समय बाहर नहीं पाया। भक्तों ने अंदर से बंद दरवाजा तोड़ने की प्रयास किया लेकिन असफल रहे। उन्होंने खिड़की से झाँका तो देखा कि उनका शव छत से लटका हुआ था। घटना की खबर फैलने के साथ अन्य भक्त और ग्रामीण मठ के बाहर इकट्ठा होने लगे। पुलिस ने संदेह जताया है कि एक ऑडियो क्लिप में उसका नाम घसीटे जाने के बाद आहत बसवा ने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस ऑडियो में दो महिलाओं द्वारा कुछ संतों के चरित्र और अवैध संबंधों पर चर्चा की गई थी।

डॉ शिल्पी ने कहा, कई भारतीय गर्भवती महिलाएं एक विशिष्ट आहार और एक सक्रिय जीवन शैली की अनिवार्य आवश्यकता को नजरअंदाज कर देती हैं।

शरारू को 14 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

चित्रदुर्ग। कर्नाटक में एक जिला सत्र न्यायालय ने बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार मुरुगा मठ के मुख्य पुजारी शिवमूर्ति शरणारू को 14 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सोमवार को दोबारा पुलिस हिरासत की मांग नहीं किये जाने पर चित्रदुर्ग द्वितीय सत्र न्यायालय की न्यायाधीश बी के कोमल ने शरणारू को नौ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले पांच सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजने से पहले अदालत ने शुक्रवार की शाम यह नहीं बताने के लिए पुलिस को फटकार लगायी कि शरणारू को जेल से अस्पताल में क्यों स्थानांतरित कर दिया गया। आज ना तो जांच अधिकारी और न ही पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की। पुलिस द्वारा इस सवाल का पर्याप्त जवाब नहीं देने के बाद कि क्या जांच खत्म हो गई है, न्यायाधीश ने न्यायिक गिरफ्तारी का आदेश दिया। शरणारू को न्यायिक रिमांड पर चित्रदुर्ग जेल में रखा जाएगा। जेल में कड़ी पुलिस सुरक्षा का निर्देश दिया गया है और चित्रदुर्ग मठ सहित शहर में केएसआरपी की टुकड़ी को तैनात किया गया है। शरणारू को शुक्रवार को जब जेल में रखा जा रहा था, तब सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। उनको गुरुवार देर रात पुलिस ने हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया।

बोलेरो लूटने के मामले में पिता पुत्र गिरफ्तार, भेजे सलाखों के पीछे

कैथल। जघन्य अपराधों में संलिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए थाना तितरम क्षेत्र से बोलेरो गाड़ी लूटने की वारदात को हल करते हुए जिले की स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने आज बताया कि थाना तितरम क्षेत्र से बोलेरो गाड़ी लूटने के एक मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर अमित कुमार की अगुवाई में एएसआई प्रदीप कुमार की टीम द्वारा करते हुए दो आरोपी गिरफ्तार किए गए, जिनकी पहचान दोनों संत बिहार हैबोवाल कलां जिला लुधियाना पंजाब निवासी कशिश वर्मा और राजेंद्र वर्मा के रूप में हुई। अहमद ने बताया कि आरोपी कशिश दूसरे आरोपी राजेंद्र वर्मा का पुत्र है। दोनों आरोपी 30 अगस्त को लुधियाना से गिरफ्तार किए गए थे। नरेला निवासी मांगेराम की शिकायत अनुसार वह बोलेरो गाड़ी चलाता है। पच्चीस जुलाई को दो व्यक्ति उसे कैथल के लिए किराए पर लेकर आए थे। उनके साथ सात हजार रुपए में किराया तय हुआ था। वे जब दोपहर बाद कैथल शहर के निकट पहुंचे तो दोनों व्यक्तियों ने एक जगह पर किसी बहाने से उसको कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिला दिया। इसके बाद उसे चक्कर आने लगे, जब उसे नशा हो गया तो वे दोनों व्यक्ति उसे कैथल बाईपास के निकट गाड़ी से उतार कर उसकी गाडी लूट ले गए थे।

पूर्व मंत्री साधू सिंह धर्मसोत को मिली जमानत

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व वन मंत्री साधू सिंह धर्मसोत तथा दलजीत सिंह गिलजियां को वन घोटाला मामले में आज पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से जमानत मंजूर हो गयी। दलजीत कांग्रेस नेता संगत सिंह गिलजियां के भतीजे हैं। उच्च न्यायालय ने धर्मसोत को राहत देते हुये वन घोटाले में भ्रष्टाचार के मामले में घिरे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता की नियमित जमानत मंजूर हो गयी। उन पर आरोप है कि वन मंत्री रहते उन्होंने पेड़ काटने के मामले में रिश्वत ली थी और विजिलेंस ने मोहाली में उनके खिलाफ गत छह जून को एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

झुंझुनू की अनिता ने अफ्रीका में दौड लगाकर जीता कांस्य पदक

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के मंडावा क्षेत्र के बहादुरवास गांव की बहू अनिता जानू ने अपनी 25 वर्ष की बेटी नुपुर जानू के साथ सात समंदर पार दक्षिण अफ्रीका के डरबन में 90 किलोमीटर की दौड़ लगाकर कांस्य पदक जीता है। द कॉमरेड्स अल्ट्रामैराथन 2022 में 48 वर्षीय अनिता एवं नूपुर ने 10 घंटे 52 मिनट 31 सैकंड में 90 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। 28 अगस्त को आयोजित द अल्टीमेट ह्यूमन रेस 100वीं कॉमरेड्स अल्ट्रा मैराथन में भारत के करीब 211 धावकों ने दमखम दिखाया। इसमें पूरे भारत से छह महिलाएं थी। इनमें से भी दो राजस्थान के झुंझुनू जिले की थी। जानू के परिवार के सदस्य प्रमोद जानू ने बताया कि अनिता ने इससे पहले जयपुर में मार्च 2022 में आयोजित जयपुर मैराथन में 4 घंटे 16 मिनट में 42 किलोमीटर की दौड़ लगाई थी। जयपुर में वह दूसरे स्थान पर रही थी। उस समय उसे श्रेष्ठ महिला धावक का खिताब मिला था। अनिता का पीहर आबूसर गांव में है। वह गृहिणी है जबकि नुपुर बहुराष्ट्रीय कम्पनी में गुरुग्राम में कार्यरत है। अनिता के ससुर गणेश जानू ने बताया कि उनको अपनी बहू एवं पोती पर गर्व है।

रामदेवरा जा रहे पैदल यात्री की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के पोकरण उपखण्ड में लाठी थाना क्षेत्र में चाचा गांव के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आने से रामदेवरा दर्शनों के लिये जा रहे पैदल यात्री संघ एक श्रृद्धालु की मौत हो गई। लाठी थानाधिकारी अशोक बेनीवाल ने बताया कि जैसलमेर से धाटी माहेश्वरी समाज का एक संघ बाबा रामदेव के दर्शनों के लिये पैदल रामदेवरा जा रहा था। रविवार देर शाम चाचा गांव के पास एक बेकाबू वाहन द्वारा इस संघ में से एक श्रृद्धालु युवक अनिल कुमार भूतड़ा 38 वर्ष को टक्कर मार कर कुचल दिया। इस घटना में युवक श्रृद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे गंभीर अवस्था में पोकरण लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जोधपुर रैफर किया जहां उपचार के दौरान श्रृद्धालु की मृत्यु हो गई।

पानी-पानी हुआ बेंगलुरु, सड़कों पर चली नाव

बेंगलुरु। देश में जारी मानसून का अभी अंतिम दौर शुरू नहीं हुआ है और कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है। इसी के चलते कई शहरों में अभी भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इसी कड़ी में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारी और तेज बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बन गई है। हालत यह हो गई है कि बेंगलुरु की सड़कों पर नाव चल रही है और गली मोहल्लों में पानी भर गया है।

शहर में बाढ़ जैसे हालत पैदा हो गए

दरअसल, बेंगलुरु में पिछले कई दिनों से तेज और भारी बारिश हो रही है। इसी की वजह से जगह-जगह पानी भर गया है। क्या घर, क्या सड़कें, क्या गाड़ियां सब जलमग्न हैं। शहर में बाढ़ जैसे हालत पैदा हो गए हैं। जलभराव के कारण लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में तो इतना पानी भर गया है कि वहां से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए नावों की मदद ली जा रही है।

कई चौराहों पर ट्रैफिक जाम, भीषण जलभराव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां के वार्थुर उपनगर में नावों को तैनात किया गया है। सबसे प्रभावित इलाकों में बेलांदुर, सरजापुरा रोड, वाइटफील्ड, आउटर रिंग रोड और BEML लेआउट शामिल हैं। इसके अलावा शहर के कई चौराहों पर ट्रैफिक जाम भी हो गया है। एक हफ्ते में यह दूसरी बार है, जब बेंगलुरु में भारी बारिश के बाद भीषण जलभराव देखने को मिल रहा है।

9 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट

उधर मौसम विभाग ने बताया कि कर्नाटक में 9 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बेंगलुरु और राज्य के तटीय हिस्सों में झमाझम बारिश के आसार हैं। शिवमोग्गा, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, कोडगु, चिक्कमगलुरु और उडुपी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को कहा गया है कि समुद्र की तरफ न जाएं।

सोशल मीडिया पर जल-जमाव के कई वीडियो

लोगों ने सोशल मीडिया पर बेंगलुरु में जल-जमाव के कई वीडियो शेयर किए गए हैं। इनमें देखा जा सकता है कि कैसे- गाड़ियां और बाइक पानी में डूब गए हैं। भीषण जलभराव के कारण स्पाइस गार्डन से व्हाइटफील्ड तक का रास्ता बंद हो गया है। कई इलाके की कई पॉश सोसायटी को भी बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है।

असम : मदरसों में नियम, कानून सुनिश्चित करने के लिए समिति गठित

गुवाहाटी। असम पुलिस ने मदरसों में नियम और कानून को लागू करने के लिए एक समिति का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य के मुख्यमंत्री ने हाल ही में कहा था कि राज्य के बाहर से आने वाले इमामों के लिए राज्य सरकार एक मानक संचालन प्रकिया (एसओपी) तैयार कर रही है। राज्य के पुलिस महानिदेशक भास्करज्योति महंत ने मुस्लिम संगठनों और मदरसा बोर्ड से शांति बनाए रखने और राज्य से बाहरी व्यक्ति को इमाम रखने के दौरान प्रक्रियाओं का पालन करने की अपील की है। प्रशासन की ओर से यह निर्देश राज्य में एक महीने के दौरान 37 जिहादियों का पता चलने के बाद आया है। इन जिहादियों का कथित तौर पर संबंध आतंकवादी संगठन अल-कायदा तथा बंगलादेशी आतंकवादी संगठन अनसररुल से था। श्री महंत ने रविवार को मुस्लिम संगठनों के नेताओं तथा मदरसा बोर्डों के संचालकों के साथ बैठक की और उनसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा, हमने उनसे इमामों की पहचान गंभीरता से करने की अपील की है। पुलिस जल्द ही एक बेवसाइट लॉन्च करेगी, जिसमें मदरसों तथा शिक्षकों के बारे में प्रत्येक जानकारियां आवश्यक रूप से उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने मदरसों में गणित, विज्ञान तथा अंग्रेजी के अलावा धार्मिक शिक्षा देने की अपील की है। मुस्लिम समूहों ने सरकारी निर्देशों का पालन करने के लिए छह महीने का समय मांगा है। सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य में एक हजार से ज्यादा गैर पंजीकृत मदरसा या इस तरह के संस्थान चल रहे हैं।

संघर्षविराम हो या न हो, नियंत्रण रेखा पर जवान मुस्तैदी से तैनात रहते हैं : सेना

केरन। पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की घटनाओं को विफल करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना के जवान अग्रिम चौकियों पर 24 घंटे पैनी नजर रखते हैं, जिसके कारण आए दिन सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को विफल कर दिया जाता है।

सेना एक अधिकारी ने कहा कि 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित चौकियों पर तैनात देश के सैनिक छोटे लेकिन अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं और 24 घंटे सातों दिन घुसपैठियों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। सेना के अधिकारियों का मानना है कि सर्दी आने पर दूसरी तरफ (सीमा पार) गतिविधियां बढ़ जाती हैं क्योंकि हिमपात और कड़ाके की ठंड के दौरान आंतकवादी भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। कुपवाड़ा में सेना के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता से कहा, जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, वैसे-वैसे सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें ज्यादा होने लगती हैं। हम नियंत्रण रेखा पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं क्योंकि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रभावित करने के संबंध में पाकिस्तान की मंशा या कार्रवाई में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि केरन और उससे सटा माछिल सेक्टर गत वर्षों तक आतंकवादियों की घुसपैठ के पारंपरिक रास्ते थे। यहां से घुसपैठ के सभी रास्ते शामसाबरी रेंज में और फिर उत्तरी कश्मीर के बारामूला, सोपोर और बांदीपोरा में मिलते हैं।

सेना अधिकारी ने कहा, हमारी सेना घुसपैठ को नाकाम करने में पूरी तरह से सक्षम है, हम यह अच्छी तरह से जानते हुए कि जम्मू-कश्मीर में 743 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा की प्रकृति को देखते हुए शून्य घुसपैठ सुनिश्चित करना असंभव है। जहां ऊँची चोटियों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्तों, घने जंगलों से होकर रास्ते गुजरते हैं।

एलओसी पर तैनात सैनिकों के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम पर सहमति बनने के बावजूद कोई आराम नहीं है।

वर्तमान में 75फीसदी गर्भवती महिलाएं मधुमेह से ग्रसित : डॉ शिल्पी

हैदराबाद। प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं केरल आयुर्विज्ञान संस्थान (किम्स) कडल्स की नैदानिक निदेशक डॉ के. शिल्पी रेड्डी ने कहा है कि वर्तमान में करीब 75 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं मधुमेह से ग्रसित हैं। डॉ शिल्पी ने सोमवार को यहां अपने वक्तव्य में कहा कि देश में खाने के विकार, अत्यधिक तनाव, विटामिन की कमी और नींद के खराब पैटर्न के कारण मधुमेह जैसी चयापचय संबंधी समस्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा हम हर महीने पीसीओडी से ग्रसित हजारों मरीजों का इलाज करते हैं और उनमें से अधिकांश गर्भवती महिलाएं हैं। इसको बढ़ने से रोकने के लिए बुनियादी स्तर में बदलाव लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि किम्स कडल्स की ओर से दो किताबें शुरू की गई हैं- प्रेग्नेंसी न्यूट्रिशन एंड फ्रीडम फ्रॉम पीसीओडी। इन किताबों का विमोचन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने किया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : मदरसे अपनी मर्जी से नहीं बहाल कर सकते हैं शिक्षक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान/ स्कूल/ कॉलेज अपनी मर्जी से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर सकते। सरकार उन्हें योग्य और उपयुक्त शिक्षक देती है तो उन्हें उनकी नियुक्ति करनी होगी। यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग कानून, 2008 को वैध घोषित कर दिया। कोलकाता हाईकोर्ट ने इस कानून की धारा 8, 10, 11, 12 को असंवैधानिक ठहराते हुए निरस्त कर दिया था और कहा था कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 30 (1) का उल्लंघन है जिसमें अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थानों की स्थापना और उनके प्रशासन का अधिकार है। इस आदेश को पश्चिम बंगाल सरकार और कुछ उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिन्हें सेवा आयोग ने मदरसों के लिए नामित किया था। इसके बाद मजना हाई मदरसा आदि ने फिर से

सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की जिसे जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने खारिज कर दिया। इससे पूर्व कोर्ट ने जनवरी 2020 में हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया था और पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग अधिनियम, 2008 को सही ठहराया था। इस कानून के जरिये सरकार सहायता प्राप्त मदरसों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति कर रही थी। मदरसों का कहना था कि मदरसा सेवा आयोग बनाकर सरकार ने उनके अनुच्छेद 30(1) में मिले संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। क्योंकि आयोग सरकार का अंग है और वह शिक्षकों की सूची उन्हें भेजता है जिन्हें मदरसों में पढ़ाने के लिए नियुक्त करना आवश्यक किया गया है।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि टीएमए पाई फाउंडेशन केस (1993) में 11 जजों की पीठ ने पाया था कि संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक संस्थानों को पूर्ण अधिकार नहीं है। यदि वे सरकार से आर्थिक सहायता ले रहे हैं तो उन्हें सरकार के योग्यता और उत्कृष्टता के मानदंडों का पालन करना होगा। क्योंकि शिक्षक क्या पढ़ा रहे हैं ये देखना सरकार का काम है। योग्यता और उत्कृष्टता की अवधारणा से कोई भी विचलन अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न फैसलों में विचार किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रभावी वाहन नहीं बनने देगा। इसके अलावा, यदि योग्यता एकमात्र और प्रशासी मानदंड नहीं है, तो अल्पसंख्यक संस्थान गैर अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ कदम से कदम मिलाने के बजाए उनसे पीछे रह सकते हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है : जगन मोहन रेड्डी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को शिक्षक दिवस पर कहा कि उनकी सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और विभिन्न सुधारों की शुरुआत विद्यार्थी को प्रतिस्पर्धी दुनिया का सामना करने के लिए कर रही है।

श्री रेड्डी ने कहा आज यहां कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के वंचित वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है और सरकारी स्कूलों के सुधार कर उसके पुराने गौरव को वापस ला रहे हैं।

आज यहां आयोजित शिक्षक दिवस (गुरु पूजा उत्सव) समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और विभिन्न सुधारों की शुरुआत छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा शिक्षक विद्यार्थी के भविष्य को ढालने में सक्षम होते हैं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि दी और इसी दौरान शिक्षकों को बधाई भी दी। शिक्षकों को बधाई देते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि समाज में लाए गए सुधारों का उद्देश्य युवाओं के लिए एक बेहतर समाज प्रदान करना है। उन्होंने कहा, पिछले तीन साल में हमने शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के तहत 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। उनका शिक्षा के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश को अन्य राज्यों की तुलना में सबसे आगे रखने का उद्देश्य है।

श्री रेड्डी ने इसी दौरान सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए। राज्य के शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किए जा रहे उपायों और शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने व्यापारी के ठिकानों पर मारा छापा

कोलकाता। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की भ्रष्टाचार निरोधी इकाई ने सोमवार को करोड़ों रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले में दक्षिण कोलकाता में एक व्यापारी के घर पर छापा मारा। सीबीआई के अधिकारी सुबह करीब सवा सात बजे रानीकोठी स्थित उद्योगपति के घर पहुंचे और मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर तलाशी शुरू कर दी। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने रामस्वरूप इंडस्ट्रीज के मालिक आशीष झुनझुनवाला को हिरासत में ले लिया, जिसकी कुछ बैंक अधिकारियों ने सहायता की थी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर बैंकों को 184 करोड़ रुपये चूना लगाया है।

आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 303 सीटें जीतेगी

हमीरपुर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी को देश की जनता का पूरा समर्थन है और आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी 303 सीटें जीतेगी। हिमाचल प्रदेश के नादौन के बडेहरा में पार्टी के कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कह रहे है कि भाजपा अगले चुनाव में पचास सीटों पर सिमट जाएगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन को वही सीटें मिलेंगी जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट सरकारों को हमेशा जनता का आईना दिखाया गया है और मोदी सरकार ने हमेशा उनकी चुनौतियों को स्वीकार किया है और लोगों की सर्वोत्तम संतुष्टि के लिए अगले चुनावों का सामना करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा के पास 272 सीटें थीं। 2019 में देश की जनता ने 300 से ज्यादा सीटें दी। उन्हीं राज्यों में भी भाजपा की कल्याणकारी नीतियों से सरकारों के बीज बोए गए और इससे भाजपा को आगामी चुनावों में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज श्री अरविंद केजरीवाल पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूब गए हैं और पूरे भारत में उनके शराब घोटाले की गूँज सुनाई दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब दिल्ली की महिलाएं और युवा शराब के ठेके खोलने का विरोध कर रहे थे तो दिल्ली सरकार ने ठेके खोलने का फैसला क्यों किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी पर सवार दंपति की मौत

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू शहर के पास बगड़ रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी पर सवार दंपति की मौत हो गई तथा एक बच्चा घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि शहर के वार्ड नंबर 51 मोती सिंह की ढाणी निवासी विकास सैनी (29) अपनी पत्नी प्रियंका सैनी (25) एवं परिवार में राकेश सैनी के छह साल के पुत्र गीतांश के साथ स्कूटी से बगड़ के एक होटल में खाना खाने जा रहे थे।

इस दौरान बीड़ चौक पोस्ट से आगे मठ के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर से पति-पत्नी एवं बच्चा घायल हो गया। तीनों को घायल होने पर बीडीके अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने विकास एवं प्रियंका को मृत घोषित कर दिया। जबकि छह साल के बच्चे गीतांश का बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

सहकारी समिति में चार करोड़ से अधिक का घोटाला, तीन गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियान के दौरान शहीद भगत सिंह नगर जिले के काजला मल्टी पर्पज कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड गांव काजला में करोड़ों रुपये के घोटाले का पर्दाफाश कर सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इस संबंध में ब्यूरो ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ब्यूरो (वीबी) के एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि इस घोटाले की जांच के दौरान पता चला है कि इस सोसायटी के कर्मचारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने 4,24,02,561 रुपये का गबन किया है। उन्होंने बताया कि जांच के आधार पर पता चला कि सचिव प्रेम सिंह, सचिव (निलंबित) भूपिंदर सिंह, पूर्व अध्यक्ष जसविंदर सिंह, उपाध्यक्ष हरवेल सिंह, हरजीत सिंह और बलकार सिंह दोनों पूर्व सदस्य (सभी ग्राम काजला निवासी) और ग्राम पद्दी मटवाली के पूर्व सदस्य रामपाल ने एक दूसरे की मिलीभगत से उक्त सोसायटी में 4,24,02,561 रुपये की ठगी की है। प्रवक्ता ने इस संबंध में प्राथमिकी संख्या 16 दिनांक 05.09.2022 धारा 408, 420, 465, 467, 468, 477-ए, 120-बी-आईपीसी और 13(1)ए, 13(2) के तहत रोकथाम की उक्त सात आरोपितों के विरुद्ध थाना विजिलेंस ब्यूरो जालंधर में भ्रष्टाचार अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले के तीन आरोपी प्रेम सिंह, भूपिंदर सिंह और हरजीत सिंह को आज गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि काजला बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति में लगभग 1220 खाताधारक/सदस्य हैं और इसमें भूमि की खेती के लिए कृषि मशीनरी के अलावा 2 ट्रैक्टर हैं। इसके अलावा उक्त सोसायटी सदस्यों को कीटनाशक और कीटनाशक भी बेचती है। उक्त सोसायटी में अलग-अलग जगहों पर कुल 2 कर्मचारी कार्यरत हैं। इस सोसायटी के विभिन्न सदस्यों ने सोसायटी में करोड़ों रुपये की एफडीआर जमा की है। उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम द्वारा वर्ष 2012-13 से वर्ष 2017-18 के अभिलेखों की जांच के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा लिए गए ऋण और सदस्यों की जमा राशि की राशि 4,24,02,561 रूपये गबन पाए गए। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दौरान इस घोटाले में शामिल अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

डिप्टी मेयर, तीन कांग्रेसी काउंसलर, मंडी बोर्ड के डायरेक्टर आप में शामिल

जालंधर। पंजाब में नगर निगम चुनाव से ठीक पहले पंजाब कांग्रेस को झटका देते हुए सोमवार को जालंधर नगर निगम में कांग्रेस के डिप्टी मेयर हरसिमरनजीत सिंह बंटी, तीन कांग्रेसी काउंसलर एवं पंजाब मंडी बोर्ड के डायरेक्टर बलजीत सिंह पूपी कांग्रेस छोड़ कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। सभी नेताओं को आप पंजाब के प्रभारी जरनैल सिंह और महासचिव हरचंद सिंह बरसट ने पार्टी में शामिल कराया। आप के चंडीगढ़ मुख्यालय में डिप्टी मेयर हरसिमरनजीत सिंह बंटी के साथ जालंधर नगर निगम के उनके तीन साथी काउंसलर रोहन सहगल, मिंटू गुज्जर और रजिंदर कुमार मिंटू आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। इनके अलावा जालंधर के एक और प्रभावशाली व्यक्ति अमरजीत सिंह छाबड़ा ने भी आप का दामन थामा। इस मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए जरनैल सिंह ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के जन कल्याणकारी और क्रांतिकारी कार्यों को देख कर पंजाब सहित पूरे देश की जनता बेहद प्रभावित है। लोगों को आम आदमी पार्टी से काफी उम्मीदें हैं।

उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों की तरह ही नगर निकाय चुनाव में भी आम आदमी पार्टी एकतरफा जीत दर्ज करेगी। पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं ने कहा कि पंजाब में भगवंत मान सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखकर हमने आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया।

चंबा में भूकंप के झटकों से लोग दहशत में

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आधी रात को भूकंप के झटके महसूस किये गये। चंबा जिला और कई अन्य क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूंकप रविवार देर रात 12 बजकर 10 मिनट पर आया। इसका केंद्र चंबा के डलहौजी से 18 किलोमीटर दूर 32.49 उत्तरी अक्षांश और 75.98 पूर्वी देशांतर जमीन से पांच किलोमीटर नीचे था। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.10 मापी गई। कई स्थानों पर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

हाडोती में जलझूलनी एकादशी पर ड़ोल निकालने की रही है पुरानी परंपरा

कोटा। जलझूलनी एकादशी का त्योहार आते ही राजस्थान में जलझूलनी एकादशी का पर्व हाडोती अंचल में बारां के प्रसिद्ध ड़ोल ग्यारस के मेले सहित कोटा में भी बड़े पैमाने पर इसी प्रकार के आयोजन किया जाता है। कोटा के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय डा. जगत नारायण की पुस्तक ..कोटा के महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय एवं उनका समय.. में उल्लेख किया गया है कि जलझूलनी एकादशी पर ठाकुरजी की सवारी गढ़ से रवाना होकर पाटनपोल होते हुए भट्ट जी के घाट पहुंचती थी। इस सवारी के दर्शन और इस अवसर पर आयोजित होने वाले उत्सव को देखने के लिए अपार भीड़ आती थी और ड़ोल यात्रा के मार्ग के दोनों तरफ लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता था। वापसी में गढ़ पहुंचने पर ठाकुर जी लक्ष्मी नारायण को तोपों की सलामी दी जाती थी। अब कोटा में यह परंपरा समाप्त हो चुकी है लेकिन हाडोती संभाग के बारां में बड़े पैमाने पर डोल ग्यारस पर सवारियां निकालने एवं मेला आयोजित करने की परंपरा अभी भी साकार होती है।

शार्ट न्यूज

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मुख्यालय ने पुरे देश के मेडिकल शिक्षक का सम्मान किया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। पांच सितम्बर शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मुख्यालय ने पुरे देश के मेडिकल शिक्षक का सम्मान किया। उनको आई एम ए प्रोफेसर शिक्षक अवार्ड दिया गया। छियालीस डॉक्टर्स को यह अवार्ड दिया गया जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में रीसर्च इनोवेशन में, मरीजों की देखभाल में और मेडिकल स्टूडडेंट को पढ़ाने में अद्वितीय अपना योगदान दिया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडविया जी, माननीय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस जी, माननीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी जी, आई एम ए अध्यक्ष डॉ सहजानंद प्रसाद जी, डॉ वेद प्रकाश मिश्रा व सचिव डॉ जयेश लेले जी की उपस्थिति रही। वित्त सचिव डॉ अनिल गोयल जी ने सभी मुख्य अतिथि और डॉक्टर्स को धन्यवाद् किया।

बादलपुर पुलिस ने एक डोडा तस्कर को किया गिरफ्तार, कब्जे से 5 किलोग्राम डोडा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर पुलिस ने एक डोडा तस्कर अभियुक्त वीरेन्द्र सिंह पुत्र मुलायम सिंह निवासी गांव चदोखा प्रहलाद थाना दातागंज जिला बदांयू वर्तमान पता राजीव कालोनी मकान नंबर 214 गली नंबर 6 थाना बल्लभगढ जिला फरीदाबाद हरियाणा को राठी सरिया मील जीटी रोड छपरौला के किनारे से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने पाँच किलोग्राम डोडा बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

एन एस पब्लिक स्कूल जहांगीरपुर में किया गया किड्स एण्ड मॉम शो का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। सोमवार को एन एस पब्लिक स्कूल जहांगीरपुर में बच्चों की माताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कूल के प्रधानाचार्य योगेश चौहान के निर्देशन में एक किड्स एण्ड मॉम शो आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि स्कूल संचालक अनिल तौमर व नमृता तौमर रहे। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका सीमा चौहान ने किया गया। जिसमें नन्हें मुन्ने बच्चों ने कविता,गाने,नृत्य,फैंसी ड्रेस शो, तथा तरह तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किए।बच्चों की माताओं ने भी रैंप वॉक, किड्स रिकॉग्निजेशन,म्यूजिकल चेयर गेम आदि तरह तरह की प्रस्तुति दीं।कार्यक्रम की जज नमृता तौमर तथा कीर्ति गोयल द्वारा ड्रेस प्रतियोगिता में देवांश, यासिका को प्रथम स्थान,रैंप वॉक में सपना देवी को प्रथम स्थान,म्यूजिकल चेयर गेम व किड्स रिकोग्निजेशन में अनीता देवी को प्रथम स्थान दिया गया।सभी किड्स एण्ड मॉम विजताओं को स्कूल प्रबंधन ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सहायक निर्देशक अनिल डोभाल रहे। विशेष सहयोगी पंडित हिमांशु ,कपिल छौंकर,तनुज भारद्वाज,मुरली शर्मा अंजली शर्मा, पी के सिंह, बी डी शर्मा,ब्रजेश शर्मा, फुरकान अहमद,मुकर्रम खान आदि रहे।

पिटबुल ने युवक को काटा, निवासियों में नाराजगी

नोएडा। सेक्टर-76 स्थित सिलिकॉन सिटी में पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने एक युवक को काट लिया। कुत्ते का मालिक उस पर नियंत्रण नहीं कर पाया जिसके चलते यह घटना हुई। इसके बाद सोसाइटी के निवासियों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लावारिस कुत्तों के साथ पालतू भी अब जान को खतरा बन रहे हैं। सोसाइटी के निवासी विशाल अग्रवाल ने बताया कि दो दिन पहले भी एक कुत्ते ने कार चालक को काट लिया था। पार्किंग में जैसे ही कार खड़ी कर कार चालक नीचे उतरा, तभी उस पर कुत्तों ने हमला कर दिया। बीते शुक्रवार को सेक्टर-56 में रहने वाली शिप्रा सिंह के 10 साल के बच्चे पर पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने हमला कर दिया था। बच्चे की मां ने सेक्टर-58 थाने में कुत्ते के मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

गुरुग्राम। नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने सोमवार को निहाल कॉलोनी में अवैध निर्माणों पर पीला पंजा चलाया। टीम ने बुलडोजर चलाकर आठ अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। सहायक अभियंता (इनफोर्समेंट) प्रेम सिंह सैनी के नेतृत्व में नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम जेसीबी व पुलिस बल के साथ न्यू पालम विहार के पास स्थित निहाल कॉलोनी में पहुंची। यहां पर कुछ लोगों द्वारा नगर निगम से बिल्डिंग प्लान स्वीकृत करवाए बिना ही भवनों का निर्माण किया जा रहा था। इनफोर्समेंट टीम द्वारा पूर्व में निर्माणकर्ताओं को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सोमवार को कार्रवाई की गई। किसी भी प्रकार के विरोध की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। सहायक अभियंता प्रेम सिंह सैनी के अनुसार नगर निगम की सीमा में किसी भी प्रकार का निर्माण करने से पूर्व नगर निगम से अनुमति लेना अनिवार्य है।

बिल्डरों के डिजाइन न देने से सोसाइटी के ऑडिट में हो रही देरी

गुरुग्राम। बिल्डरों के डिजाइन नहीं देने से सोसाइटी के ऑडिट में देरी हो रही है। सोमवार को जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन की ओर से चार एजेंसियों को वर्क अलॉटमेंट किए जाने थे, लेकिन बिल्डरों की ओर से पांच सोसाइटी के डिजाइन सौंपे गए। बाकी 12 सोसाइटी के प्लान नहीं मिलने से ऑडिट का वर्क अलॉटमेंट एजेंसियों को नहीं हो पाया। डीटीपी की माने तो बिल्डरों की ओर से डिजाइन देने में देरी हो रही है। इससे वर्क अलॉटमेंट पर असर पड़ेगा। इस सप्ताह का इंतजार किया जाएगा। इसके बाद कोई कार्रवाई बिल्डरों के खिलाफ होगी। बीते बुधवार को उपायुक्त निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें 14 बिल्डरों के प्रतिनिधि, 17 सोसाइटी के आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के अलावा चारों एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए थे। डीसी ने बिल्डरों को निर्देश दिया था कि शुक्रवार को सोसाइटी के प्लान से लेकर डिजाइन डीटीपी प्रवर्तन विभाग में जमा करवाए, जिससे सोमवार को इन एजेंसियों को ऑडिट वर्क अलॉटमेंट कर दिया जाएगा। डेढ़ महीने के अंदर ऑडिट पूरा करके बाकी सोसाइटियों के ऑडिट ही शुरू हो पाए। चार दिनों में पांच सोसाइटी के डिजाइन डीटीपी के पास जमा करवाए गए हैं। जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन अमित मधोलिया ने कहा कि बिल्डरों की ओर से सोसाइटी के डिजाइन सौंपने में देरी कर रहे हैं। इसकी वजह से सोसाइटी के ऑडिट का वर्क अलॉटमेंट करने में समय लगेगा। सभी सोसाइटी के प्लान और डिजाइन मिलने के बाद एजेंसी को काम सौंपा जाएगा।

कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल द्वारा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ मुलाकात

सरहदी क्षेत्र की दो अहम सड़कों के निर्माण और अपग्रेडेशन के लिए केंद्रीय सड़क फंड के अंतर्गत मिली मंजूरी

दीप्ति राय/गौरवशाली भारत

नयीं दिल्ली। पंजाब के सरहदी क्षेत्र में सड़कों के बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर पंजाब के ग्रामीण विकास, प्रवासी मामलों और कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री कुलदीप सिंह धालीवाल की तरफ से आज केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी के साथ स्थानीय ट्रांसपोर्ट भवन में अहम मीटिंग की गई।

मीटिंग के उपरांत पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री धालीवाल की तरफ से मीडिया के साथ बातचीत करते हुये जानकारी दी गई कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की तरफ से अमृतसर जिले के सरहदी क्षेत्र की दो अहम सड़कों के निर्माण और अपग्रेडेशन के लिए मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि रावी दरिया के साथ धुस्सी बांध के नज़दीक से घोनेवाला रामदास रोड से गुलगड़ सड़क के निर्माण और सरहदी ब्लाक अजनाला में अजनाला-फतेहगढ़ चूड़ियाँ- रामदास सड़क को विकसित करने के प्रोजेक्टों को केंद्रीय रोड फंड (सी. आर. एफ) के अंतर्गत मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इन दोनों सड़कों के विकसित न होने के कारण इस इलाके के करीब 100 गाँवों का विकास रुका हुआ था। उन्होने कहा कि इस प्रोजैक्ट के पूरा होने से इस इलाके के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि रचनात्मक माहौल में हुई इस मीटिंग में श्री गडकरी की तरफ से अजनाला शहर और तीन गाँवों आवान, गग्गोवाल और थोबा की सड़कों को भी रीहैबलीटेशन के अंतर्गत विकसित करने के लिए मंजूरी दे दी गई है जिसके फंड हफ्ते के अंदर-अंदर जारी करने सम्बन्धी श्री गडकरी की तरफ से भरोसा दिया गया है। उन्होंने कहा कि श्री गडकरी की तरफ से भरोसा दिया गया कि राज्य की अन्य सड़कों को विकसित करने के प्रोजेक्टों को भी पहल के आधार पर विचारा जायेगा। पंजाब सरकार की तरफ से पंचायती ज़मीनों पर कब्ज़े छुड़ाने के लिए चलाई जा रही मुहिम संबंधी पूछे एक सवाल के जवाब में श्री धालीवाल ने कहा कि पिछले पाँच महीनों के दौरान 9 हज़ार 53 एकड़ ज़मीनों से कब्ज़े छुड़वाए जा चुके हैं और आगामी समय में भी यह मुहिम इसी तरह जारी रहेगी। विरोधी पक्ष की तरफ से इस मुहिम सम्बन्धी की जा रही आलोचना के बारे श्री धालीवाल ने कहा कि कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल की सरकारों के समय ही यह कब्ज़े हुए हैं और इन पार्टियों ने अपनी सरकारों के समय इस क्षेत्र में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह पार्टियाँ अपनी असफलता पर पर्दा डालने के लिए ही बेबुनियाद आलोचना कर रही हैं।

दिल्ली का ऐतिहासिक राजपथ अब बनेगा कर्तव्य पथ

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार अब जल्द ही नई दिल्ली के ऐतिहासिक राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर कार्तव्य पथ करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने के संबंध में सात सितंबर को एक विशेष बैठक बुलाई है और प्रस्ताव को परिषद के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक पूरा मार्ग और क्षेत्र कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा।

जानकारी के अनुसार, बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर %कार्तव्य पथ% करने को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है।

बता दें कि, इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन (रायसीना हिल) तक के मार्ग को राजपथ के नाम से जाना जाता है। हर साल यहां गणतंत्र दिवस पर भव्य परेड और झांकियां निकाली जाती हैं। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के अंतर्गत आने वाला राजपथ एक उच्च सुरक्षा वाला इलाका है। ब्रिटिश काल में राजपथ को किंग्सवे कहा जाता था।

गौरतलब है कि, इससे पहले मोदी सरकार ने पहले कार्यकाल के दौरान साल 2016 में दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने वाले रेस कोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया था।

वही, 28 अगस्त 2015 को औरंगजेब रोड का नाम बदलकर मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड रखा गया था।

दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी, 5000 कारों की चोरी में शामिल गैंग का सरगना गिरफ्तार, 181 आपराधिक मामलों में भी संलिप्त

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों से 1998 से अब तक 5000 कारों की चोरी करने वाले कार चोर गिरोह के सरगना को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इतना ही नहीं, 181 आपराधिक मामलों में भी उसकी संलिप्तता पाई गई है। आरोपी खानपुर एक्सटेंशन निवासी अनिल चौहान (52) मूलरूप से असम के तेजपुर का रहने वाला है। वह पूर्वोत्तर राज्य में गैंडे के सींग की तस्करी के लिए भी कुख्यात था। इसके साथ ही वह अवैध हथियारों की आपूर्ति में भी सक्रिय रूप से शामिल था। डीसीपी (सेंट्रल) श्वेता चौहान ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी अनिल चौहान पहले असम सरकार में क्लास-वन का ठेकेदार था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उसके घर पर छापेमारी के बाद उसकी सारी संपत्ति को जब्त कर नीलाम कर दिया गया था। इसके बाद उसने फिर से चोरी करना शुरू कर दिया। डीसीपी ने कहा कि हाल ही में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट और दिल्ली में अवैध हथियार सप्लायर्स की गतिविधियों में तेजी के कारण सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ को उनकी जांच करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले भारत के मोस्ट वांटेड वाहन चोर और अवैध हथियारों के सप्लायर अनिल चौहान के सेंट्रल दिल्ली में डीबीजी रोड थाना क्षेत्र में आने की सूचना स्पेशल स्टाफ को मिली थी। इसके बाद एक डेडिकेटिड टीम बनाई गई और आरोपी को 23 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

शिक्षक दिवस पर बिधूड़ी ने शिक्षकों को किया सम्मानित

लाजपत नगर और मोलड़बंद में जाकर शिक्षकों को खिलाई मिठाई

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शिक्षक दिवस पर अपने क्षेत्र के विद्यालयों में जाकर शिक्षकों को बधाई दी और सम्मानित किया।

बिधूड़ी लाजपत नगर के नगर निगम स्कूल में विशेष रूप से गए। नगर निगम के इस स्कूल ने ब्रिटेन द्वारा आयोजित वर्ल्ड बेस्ट स्कूल रैंकिंग में टॉप-टेन में स्थान पाकर विलक्षण गौरव पाया है। इस स्कूल को यह गौरव इसलिए मिला कि इसमें शिक्षण के लिए नए-नए तरीकों का इस्तेमाल किया गया। बिधूड़ी ने प्रिंसिपल श्री श्रीनिवास तिवारी के साथ-साथ वाइस प्रिंसिपल और तमाम शिक्षक साथियों को शाल ओढ़ाकर, गुलदस्ता भेंट कर और उनका मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया।

इसके अलावा बिधूड़ी ने शिक्षक दिवस पर बदरपुर क्षेत्र में मोलड़बंद के सर्वोदय विद्यालय में स्टेट अवॉर्ड पाने वाले शिक्षकों को शाल ओढ़ाकर और गुलदस्ता भेंट करके सम्मानित किया। इनमें प्रिंसिपल सुश्री सुजाता टमटा और अन्य शिक्षक सुश्री प्रतिभा मिश्रा, सुश्री सुनीता, सुश्री छाया, सुश्री शीलू और श्री संतोष कुमार कनौजिया हैं। संतोष कुमार ने नेत्रहीन होते हुए भी यह अवॉर्ड प्राप्त किया। बिधूड़ी ने इस मौके पर पर कहा कि देश के भविष्य के लिए शिक्षक ही कर्णधार होते हैं और उन्हें सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि हर समय पूरा राष्ट्र सम्मान की दृष्टि से देखता है।

विंटर एक्शन प्लान को लेकर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में सभी सम्बंधित 30 विभागों के साथ की गई संयुक्त बैठक

विभागों द्वारा सौपे गए रिपोर्ट / सुझावों के अनुसार तैयार किया जाएगा विंटर एक्शन प्लान : गोपाल राय

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली में सर्दियों के मौसम में विभिन्न वजहों से बढ़ने वाली प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार ने अपनी तैयारियाँ तेज कर दी है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विंटर एक्शन प्लान को लेकर आज दिल्ली सचिवालय में सभी सम्बंधित 30 विभागों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी , विकास विभाग, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड, सीपीडब्लूडी , डीडीए , दिल्ली ट्रैफिक पुलिस , दिल्ली पुलिस, डीटीसी, राजस्व विभाग, डीएसआईआईडीसी , शिक्षा विभाग , डीएमआरसी , पीडब्लूडी , ट्रांसपोर्ट विभाग , एनएचएआई , दिल्ली जल बोर्ड , डूसिब, एनडीएमसी आदि के अधिकारी शामिल रहें। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सभी विभागों को निर्धारित 15 फोकस बिंदुओं पर अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसके अनुसार विंटर एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा ।सभी विभागों को । सितंबर तक अपनी-अपनी प्राथमिक रिपोर्ट / सुझावों को पर्यावरण विभाग को सौंपने का निर्देश दिया गया है। जिसके आधार पर 15 सितंबर तक पर्यावरण विभाग को विंटर एक्शन प्लान के तहत विस्तृत कार्ययोजना सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है ।

बैठक के बाद दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान सभी पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में होने वाली प्रदूषण की समस्या से निपटान करने के लिए केजरीवाल सरकार ने अपनी तैयारियाँ तेज कर दी है । पिछले दिनों पर्यावरण,डीपीसीसी, विकास और वन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्य तौर पर 15 सूत्रीय फोकस बिंदु चिंहित किए गए थे। उन 15 फोकस बिंदुओं के आधार पर कार्ययोजना तैयार करने के लिए आज हमने दिल्ली के अंदर जितनी प्रमुख एजेंसियां हैं, उनके अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की थी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ संयुक्त कार्य योजना का निर्माण करना है। आज की बैठक में हमने अलग-अलग विभागों को विंटर एक्शन प्लान के तहत निर्धारित 15 फोकस बिंदुओं पर विशिष्ट कार्य सौपे गए हैं। जिस पर सभी विभाग । सितंबर तक अपनी प्राथमिक रिपोर्ट पर्यावरण विभाग को देगी और यदि सौंपी गई रिपोर्ट में पर्यावरण विभाग द्वारा कोई कमी देखी गई तो उसकी रिवाइज्ड रिपोर्ट विभाग को 10 सितम्बर तक जमा करने निर्देश दिए गए है । इसी के आधार पर 15 सितंबर तक पर्यावरण विभाग को विंटर एक्शन प्लान के तहत विस्तृत कार्ययोजना सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है ।

भाजपा नेता की हत्या में एक आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। एक सितंबर को दिनदहाड़े गुरुद्वारा रोड पर स्थित कपड़े के शोरूम में सोहना मार्केट कमेटी के पूर्व उपप्रधान और भाजपा नेता सुखबीर उर्फ सुखी की हत्या मामले में अपराध शाखा सेक्टर-31 की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी मृतक का साला चमन अभी फरार चल रहा है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मूलरूप से राजस्थान निवासी 22 वर्षीय योगेश उर्फ सिल्लू (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को सोमवार कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार और फरार चल रहे बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। एसीपी प्रीतपाल सांगवान ने बताया कि भाजपा नेता की हत्या मामले में मुख्य आरोपी चमन है। चमन ने ही योगेश को वारदात करने के लिए टीम में शामिल किया था। चमन और आरोपी योगेश दोनों अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने बताया कि योगेश से पूछताछ में सामने आया कि राजस्थान में योगेश की बहन के साथ किसी ने छेड़छाड़ की थी। उसका बदला लेने के लिए योगेश ने चमन से बात की थी। इस पर चमन ने बदला लेने का आश्वासन दिया था। पहले भाजपा नेता की हत्या के बाद उसकी हत्या करने की योजना थी, लेकिन उससे पहले ही आरोपी योगेश को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने लूट के अभियोग में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

कब्जे से लूट के मोबाइल सहित मोटरसाइकिल बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना कासना पुलिस ने लूट के अभियोग में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों अनिल उर्फ मल्ला पुत्र कालीचरण निवासी नट मढैय्या थाना बीटा टु गौतमबुद्धनगर, सुरेन्द्र पुत्र सुक्कन निवासी ग्राम लडना थाना खानपुर जिला बुलन्दशहर हालपता सोनू का मकान कस्वा कासना थाना कासना गौतमबुद्दनगर, ब्रिजेश पुत्र चौप सिंह निवासी रोशन नगर गली नंबर 1 थाना नवीन नगर जिला फरीदाबाद हरियाणा हालपता नट मढैय्या थाना बीटा टु गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक मोटरसाइकिल हीरो स्पैलन्डर और लूटे हुए चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गौरतलब है कि 5 सितंबर 2022 को वादी प्रदीप कुमार पुत्र लानता प्रसाद निवासी ग्राम नेका खेड़ा थाना पिसामा जिला सीतापुर हालपता गुर्जर कालोनी थाना कासना गौतमबुद्धनगर की तहरीर पर स्पेलेन्डर बाइक सवार तीन अज्ञात अभियुक्तों द्वारा कासना बस स्टैण्ड के पास से वादी का मोबाइल फोन छीन कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना कासना पर मुकदमा अपराध संख्या 207/2022 धारा 392 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया था।कासना पुलिस ने टीम गठित कर एवं उपरोक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लूट की घटना का सफल अनावरण कर दिया।अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं। अभियुक्त अनिल उर्फ मल्ला कमिश्नरेट के अन्य थानों से जेल जा चुका है। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 411 भादवि की वृद्धि की गई है तथा अभियुक्तगणों के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 208/2022 धारा 414, 482 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किया गये ताकि मतदाता अपने आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ सकें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. रणबीर सिंह ने आज बताया कि दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को अपने आधार नंबर को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की सुविधा के लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए थे। इन शिविरों का उद्देश्य मतदाताओं को आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने के बारे में हर संभव सहायता प्रदान करना है। ये शिविर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2684 मतदान स्थानों पर आयोजित किए गए।

डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि मतदाता अपना आधार नंबर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से जमा कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में सूचीबद्ध है, अधिनियम की धारा 23 की उप-धारा (5) के अनुसार फॉर्म 6बी में मतदाता पंजीकरण अधिकारी को अपना आधार नंबर सूचित कर सकता है।

सीईओ ने आगे बताया कि नए मतदाता जिन्होंने अपने मतदाता पहचान पत्र के लिए नामांकन नहीं किया है, वे अपने आधार कार्ड के साथ नामांकन कर सकते हैं और साथ ही मौजूदा मतदाता जो पहले से ही मतदान सूची में नामांकित हैं, वे भी अपने मतदाता पहचान पत्र के साथ अपना आधार नंबर स्वेच्छा से जोड़ सकते हैं। ई। कार्यक्रम 1 अप्रैल, 2023 तक पूरा किया जाएगा। मतदाता सूची में पंजीकृत 100 प्रतिशत मतदाताओं से संपर्क करने और फॉर्म 6बी जमा करने में उनकी सहायता करने का प्रयास किया जाएगा।

डॉ. रणबीर सिंह ने आगे बताया कि मतदाताओं से आधार नंबर का संग्रह स्वैच्छिक आधार पर किया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम रोल में सूचीबद्ध है, अधिनियम की धारा 23 की उप-धारा (5) के अनुसार फॉर्म 6बी में पंजीकरण अधिकारी को अपना आधार नंबर सूचित कर सकता है। मौजूदा मतदाताओं के आधार नंबर के संग्रह का कार्यक्रम 1 अगस्त, 2022 से शुरू किया आधार को ऑनलाइन भरने के लिए फॉर्म 6बी ईसीआई/सीईओ वेबसाइट और इरोनेट, गरुड़, एनवीएसपी, वीएचए आदि पर उपलब्ध होगा। डीईओ/ईआरओ बीएलओ, ईआरओ या अधिकृत किसी अधिकारी के माध्यम से ऑफलाइन जमा करने के लिए मुद्रित फॉर्म 6बी की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

इस बात पर जोर दिया गया है कि आवेदकों की आधार संख्या के संबंध में कार्रवाई करते समय, आधार (वित्तीय और अन्य रियायतें, लाभ और सेवाओं का लक्षित परिदान) अधिनियम, 2016 की धारा 37 के तहत दिए गए उपबंध का पालन अवश्य किया जाना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में इसे सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। यदि निर्वाचकों से संबंधित जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करनी अपेक्षित हो, तो आधार विवरण को अनिवार्यत: हटा या ढक दिया जाना चाहिए।

गन पॉइंट पर लेकर मर्चेंट नेवी के अफसर के यहां बदमाशों ने दिया लाखों रुपये की लूट की घटना को अंजाम

ग्रेटर। थाना बीटा टु क्षेत्रान्तर्गत बीटा 1 इलाके में रहने वाले मर्चेंट नेवी के अफसर के परिवार को बधंक बनाकर बदमाश लूटपाट की घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। सोमवार सुबह चार बजे के आसपास जब घर में तीन लोग मौजूद थे तभी हथियार बंद बदमाशों ने हथियार के बल बंधक बनाकर लूट की घटना को अंजाम दिया और घर में रखा लगभग ढाई लाख रूपये कॅश और लाखों रूपये की ज्वैलरी लेकर फरार हो गए।गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा के बीटा-1 सेक्टर में सर्वग्य जैन का तीन मंजिला मकान है। वह मर्चेंट नेवी में चीफ इंजीनियर हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती गुजरात में है। घर पर उनकी पत्नी शिल्पा,मां शशि जैन और दस साल का बेटा सिद्धार्थ रहता है। सोमवार रात करीब दो बजे सर्वग्य जैन गुजरात जाने के लिए फ्लाइट लेने के लिए निकले थे और सुबह चार बजे के आसपास लगभग छः बदमाश उनके घर में घुस गये। घर में पत्नी और बेटे को कमरे में बंद कर दिया। मां को एक बदमाश ने गन प्वाइंट पर ले लिया और इसके बाद लूटपाट की घटना को अंजाम दिया।बदमाशों के जाने के बाद सर्वग्य जैन की मां ने कमरे का दरवाजा खोलकर बहू और पोते को बाहर निकाला।सूचना पाकर मौके पर पुलिस के अधिकारीगण और फोरेंसिक टीम पहुंच गई।

संपादकीय

योगेंद्र यादव ने भाजपा को घेरने के लिए नई चाल चली

योगेंद्र यादव को लगता है कि शायद इस यात्रा से उनकी राजनीतिक यात्रा भी चल पड़े। दरअसल योगेंद्र यादव काफी लंबे समय से राजनीति में पांव जमाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी से नाता जोड़ा था लेकिन वहां से कुछ समय बाद उन्हें निकाल दिया गया। अपने आप को सामाजिक कार्यकर्ता बताने वाले योगेंद्र यादव अब कुछ नया और बड़ा करने की फिराक में हैं इसलिए वह किसानों की राजनीति से फिलहाल दूर हो गये हैं। हम आपको याद दिला दें कि हाल के किसान आंदोलन में योगेंद्र यादव की अहम भूमिका रही थी। आंदोलन समाप्त हो जाने के बाद जब उन्हें लगा कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए कुछ नहीं बचा है तो उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चा की समन्वय समिति से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक योगेंद्र यादव की इच्छा अब साल 2024 के लोकसभा चुनावों में कुछ कर दिखाने की है इसलिए वह भाजपा विरोधी दलों को गोलबंद करने में जुट गये हैं। इसके लिए वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गये हैं और उनकी भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ गये हैं। यही नहीं, आजकल सोशल मीडिया पर योगेंद्र यादव भारत जोड़ो यात्रा का प्रचार करने में भी लगे हुए हैं। योगेंद्र यादव को लगता है कि शायद इस यात्रा से उनकी राजनीतिक यात्रा भी चल पड़े। दरअसल योगेंद्र यादव काफी लंबे समय से राजनीति में पांव जमाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी से नाता जोड़ा था लेकिन वहां से कुछ समय बाद उन्हें निकाल दिया गया। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी स्वराज इंडिया बना कर दिल्ली नगर निगम चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे लेकिन जनता ने इस पार्टी को बुरी तरह खारिज कर दिया। लेकिन योगेंद्र यादव को भरोसा था कि उनके अंदर राजनीतिक नेतृत्व कौशल है और वह इसे साबित करके रहेंगे इसके लिए उन्होंने खुद 2019 का लोकसभा चुनाव हरियाणा से लड़ा लेकिन जनता ने उन्हें भी खारिज कर दिया। इसके बाद से योगेंद्र यादव भाजपा को घेरने के लिए मौकों की तलाश करते रहे। जब मोदी सरकार तीन कृषि विधेयक लेकर आई और किसान संघ सरकार के खिलाफ गोलबंद हुए तो वह भी मैदान में कूद पड़े। माना जाता है कि मोदी सरकार और किसान नेताओं के बीच हुई सभी वार्ताओं को विफल कराने का श्रेय काफी हद तक योगेंद्र यादव को ही जाता है। आंदोलनजीवी के रूप में पहचान रखने वाले योगेंद्र यादव को अब तलाश थी कि वह किस तरह फिर से सुर्खियों में रहें तो उन्हें मौका भारत जोड़ो यात्रा ने दे दिया। योगेंद्र यादव राहुल गांधी के साथ खड़े हो गये हैं ताकि भारत को जोड़ा जा सके। देखना होगा कि कांग्रेस का साथ उन्हें कितना लाभ पहुँचाता है क्योंकि कांग्रेस खुद जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही है। इस प्रकार की भी खबरें हैं कि भारत जोड़ो यात्रा से योगेंद्र यादव के जुड़ने से कांग्रेस के कई नेता खुश नहीं हैं क्योंकि योगेंद्र यादव जहां रहते हैं वहां अपनी चलाने की कोशिश करते हैं। देखना होगा कि कांग्रेस नेताओं के साथ उनकी कैसी पटती है। इसके अलावा, यह भी माना जा रहा है कि योगेंद्र यादव सक्रिय रूप से केंद्र में भाजपा विरोधी मोर्चा खड़ा करने के राजनीतिक प्रयासों में जुटने जा रहे हैं ताकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती दी जा सके। यदि ऐसा होता है तो विपक्ष में उनकी एक भूमिका जल्द ही देखने को मिल सकती है। उधर, संयुक्त किसान मोर्चा खुद को ठगा-सा महसूस कर रहा है क्योंकि योगेंद्र यादव ने अचानक से नाता तोड़ लिया है। हालांकि उन्होंने जो पत्र भेजा है उसमें कहा है कि कि वह मोर्चा के एक ''सिपाही'' बने रहेंगे। योगेंद्र यादव ने अपने पत्र में कहा है, ''मैं अब एसकेएम की समन्वय समिति का सदस्य होने की जिम्मेदारी नहीं उठा पाऊंगा।%% उन्होंने लिखा है कि यह महत्वपूर्ण है कि सभी जन आंदोलनों और विपक्षी राजनीतिक दलों की ऊर्जा को किसान विरोधी मोदी सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए जोड़ा जाये। इसके लिए मैं किसान आंदोलन के अलावा अन्य आंदोलनों के संपर्क में हूं।''

राहुल बाबा कोरे महान् बनने का नाटक न करो

ललित गर्ग

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ हल्ला बोल कांग्रेस रैली अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने एवं अपनी लगातार कम होती राजनीति ताकत को पाने का जरिया मात्र है। इस रैली में अपनी ताकत दिखाने की दृष्टि से तो काफी हद तक कांग्रेस सफल रही, लेकिन यह कहना कठिन है कि इस प्रदर्शन से वह अपनी राजनीतिक अहमियत बढ़ा सकेगी। यह रैली एक ओर कारण से भी आयोजित हुई है और वह है राहुल गांधी की पार्टी में आम-स्वीकार्यता का वातावरण बनाना। इस दृष्टि से रैली कितनी सफल हुई, यह वक्त ही बतायेगा। इतना तय है कि कांग्रेस पार्टी अपनी तमाम गलतियों एवं नाकामयाबियों से कोई सीख लेती हुई नहीं दिख रही है।

इस रैली के माध्यम से राहुल गांधी को एक ताकतवर नेता के रूप में प्रस्तुति देने के तमाम प्रयास किये गये। यही कारण है कि इस रैली में सबकी निगाहें इस बात पर लगी थीं कि राहुल गांधी क्या कहते हैं, क्या नया करते है, क्या अनूठा एवं विलक्षण करते हुए स्वयं को सक्षम नेतृत्व के लिये प्रस्तुत करते हैं। वे किन वक्ताओं को बोलने का अवसर देते है? राहुल गांधी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में रैली को संबोधित किया, लेकिन उनके भाषण में ऐसी कोई नई बात नहीं थी जिसे वह पहले न कहते रहे हों। सदैव की तरह उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के साथ अन्य अनेक समस्याओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया और यह पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि वह चंद उद्यमियों के लिए काम कर रहे हैं। इतना सब करते हुए यही प्रतीत हुआ कि अपने स्वार्थ हेतु, प्रतिष्ठा हेतु, आंकड़ों की ओट में राहुल-नेतृत्व झूठा श्रेय लेता रहा और भीड़ आरती उतारती रही। कांग्रेस की आज विडम्बना है कि सभी राहुल की बातें मानें और जिसकी प्रशस्ति गायें, लेकिन यह नेतृत्व की सबसे कमजोर कड़ी है, जहां सत्य को सत्य कहने का साहस न हो।

कांग्रेस एवं राहुल वास्तव में महंगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ आवाज बुलन्द करना ही चाहते हैं तो ठोस तथ्य प्रस्तुत करते, इन समस्याओं के निवारण का कोई रोड-मेप प्रस्तुत करते। सचाई यह है कि विगत आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री ने महंगाई के कारकों पर कड़ी निगाह रखी क्योंकि महंगाई सबसे ज्यादा गरीबों को प्रभावित करती है। जब प्रधानमंत्री ने काम संभाला तो भारतीय अर्थव्यवस्था उच्च इन्फ्लेशन के दौर से गुजर रही थी। परंतु उनके मार्गदर्शन में यह इन्फ्लेशन सफलतापूर्वक छह प्रतिशत से नीचे आया। विकास का एक नया चरण शुरू करने के लिए जब 2019 में अर्थव्यवस्था सुधरने लगी तब तक दुनिया 2020 में कोविड वैश्विक महामारी की चपेट में आ गई थी। भारत को भी गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मोबिलिटी में अवरोध उत्पन्न हुए, सप्लाई चेन बाधित हुई, स्वास्थ्य प्रणाली ने भी नई चुनौतियों को देखा। वर्ष 2020 में, प्रधानमंत्री ने

आत्मनिर्भरता के विजन पर केंद्रित, एक नए भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। यह सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया कि सदी की इस सबसे भीषण महामारी के दौरान कोई भी परिवार भूखा न रहे। और साथ ही, उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए एक नया निवेश चक्र शुरू किया। क्या राहुल गांधी के पास है इन बातों का कोई जबाव।

हल्ला बोल रैली के जरिये कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन अवश्य किया, लेकिन वह एकजुटता का प्रदर्शन करने में नाकाम रही। इस रैली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को छोड़कर उन नेताओं को कोई प्राथमिकता नहीं दी गई जो पार्टी के संचालन के तौर-तरीकों को लेकर लंबे अर्से से सवाल उठाते आ रहे हैं और इन दिनों अध्यक्ष पद के चुनाव में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। इस रैली ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता राहुल को ही नेतृत्व सौंपने पर जोर दे रहे हैं। पता नहीं राहुल अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे या नहीं, लेकिन यदि वह नहीं भी लड़ते तो आसार इसी के हैं कि नेतृत्व गांधी परिवार के पसंदीदा नेता को ही मिलेगा। जब यही सब होना है तो क्यों बिन वजह की एक्सरसाइज की जा रही है। कांग्रेस को नेतृत्व की प्रारंभिक परिभाषा से परिचित होने की जरूरत है। नेतृत्व की पुरानी परिभाषा थी, सबको साथ लेकर चलना, निर्णय लेने की क्षमता, समस्या का सही समाधान, कथनी-करनी की समानता, लोगों का विश्वास, दूरदर्शिता, कल्पनाशीलता और सृजनशीलता। इन शब्दों को तो कांग्रेस ने किताबों में डालकर अलमारियों में रख दिया गया है।

कहना कठिन है कि राहुल की बातों से आम जनता कितना प्रभावित होगी, लेकिन इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि महंगाई और बेरोजगारी सरीखी समस्याएं सिर उठाए हुए हैं। पता नहीं सरकार इन समस्याओं पर कब तक नियंत्रण पाएगी, लेकिन आम जनता यह जान-समझ रही है कि ये वे समस्याएं हैं जिनसे देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया जूझ रही है। बेहतर होता कि प्रमुख विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस इन समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा करती, लेकिन वह यह काम न तो संसद में कर रही है और न ही संसद के बाहर। हम स्वर्ग को जमीन पर नहीं उतार सकते, पर बुराइयों से तो लड़ अवश्य सकते हैं, यह लोकभावना कांग्रेस में जागे। महानता की लोरियाँ गाने से किसी भी राजनीतिक दल एवं उसके नेता का भाग्य नहीं बदलता, बल्कि तन्द्रा आती है। इसे तो जगाना होगा, भैरवी गाकर। महानता को सिर्फ छूने का प्रयास जिसने किया वह स्वयं बौना हो गया और जिसने संकल्पित होकर स्वयं को ऊंचा उठाया, महानता उसके लिए स्वयं झुकी है। राहुल बाबा कोरे महान् बनने का नाटक न करो, महान बनने जैसे काम भी करो।

हमें गुलाम बनाने वाले सदैव विदेशी नहीं होते। अपने ही समाज का एक वर्ग दूसरे को गुलाम बनाता है- शोषण करता है। इसी मानसिकता से मुक्ति दिलाने के लिये ही नरेन्द्र मोदी ने सुशासन और विकास केंद्रित गुजरात मॉडल में 'निवेश' को विकास के वाहन के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था। गुजरात का उनका अनुभव और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में विकास के चरणों की उनकी गहरी समझ ने देश में मैन्युफैक्चरिंग, खनन, आवास और इंफ्रास्ट्रक्चर में नए निवेश कार्यक्रमों को आकार दिया। अर्थव्यवस्था के ये तीन क्षेत्र रोजगार के सबसे बड़े सृजक हैं। अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की ग्रोथ भी इन क्षेत्रों के विकास पर ही निर्भर है। 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के सफल परिणाम अब विश्वभर में माने जा रहे हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है। इतना ही नहीं, दस साल पहले जो इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग नगण्य था, वह आज बढ़कर लगभग 80 बिलियन अमरीकी डॉलर का हो गया। भारत का निर्यात लैंडमार्क 600 बिलियन अमरीकी डॉलर को पार कर चुका है।

कांग्रेस को चाहिए कि वह हल्ला बोल रैली जैसे आयोजनों के साथ जनता की वास्तविक समस्याओं को जोड़े, केवल राजनीति करने के लिये हल्ला बोल का सहारा न लें। जनता सब समझती है। देश हर दिन नयी-नयी उपलब्धियों एवं खुशियों से रु-ब-रु हो रहा है। जमीन से आसमान तक हर जरूरतों को देश में ही निर्मित किया जाने लगा है। यह देश के लिए बड़ी खुशखबरी है कि भारतीय नौसेना को पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत भी मिल गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में केरल तट पर विशाल पोत आईएनएस विक्रांत भारत की आन-बान-शान में शुमार हो गया। इसी के साथ आजादी के अमृत महोत्सव मनाते हुए हमने अनेक गुलामी की निशानियों को भी समाप्त कर दिया है। यह अतिरिक्त खुशी की बात है कि नौसेना का ध्वज न केवल बदल गया है, बल्कि अब उस पर शिवाजी की छाप दिखने लगी है। हालांकि, यह अफसोस की बात है कि गुलामी के दौर के अंत के इतने वर्ष बाद भी नौसेना के झंडे में अंग्रेजों का एक प्रतीक चिह्न सेंट जॉर्ज क्रॉस शामिल था। आखिर पूर्व सरकारें गुलामी के इस प्रतीक को क्यों ढोती रहीं? क्या ऐसे ही अनेक शर्मनाक प्रतीक अब भी देश पर लदे हुए हैं? नए भारत में गुलाम भारत की कोई चीज बची न रहे, यह सुनिश्चित करना चाहिए। बेशक, आईएनएस विक्रांत का पदार्पण एक आगाज होना चाहिए। भारत में सामरिक निर्माण विकास में तेजी लाने की जरूरत है। भारत जिस तरह से चुनौतियों से घिरता जा रहा है, उसमें स्वदेशी तैयारी और जरूरी हो गई है। भारतीयों को रक्षा मामले में सच्चा गौरव तब हासिल होगा, जब हम अपने अधिकतम अस्त्र-शस्त्र, सैन्य साजो-सामान, वाहन स्वयं बनाने लगेंगे। ऐसी बातों पर भी कांग्रेस का ध्यान जाना चाहिए।

भारत की श्रेष्ठता स्वयं सिद्ध है

भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों, शास्त्रों, पुराणों और सनातन संस्कृति एवं संस्कार में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि ईस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण निरूपित कर वृहद वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे। प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है, बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति, राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान, शक्तिहीन, भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं।

किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता, शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त, कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है।

अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी, बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं।

संस्कार, शिष्टाचार और अच्छा व्यवहार!

शिष्टाचार हर देश में अलग होता है, लेकिन सच्ची विनम्रता और प्रभाव हर जगह एक ही तरह से देखा जा सकता है। एक व्यक्ति जो अपने भीतर अच्छाई रखता है, हमेशा अच्छे शिष्टाचार और शिष्टाचार के कपड़े पहने रहता है। विनम्रता जैसी कोई नीति नहीं है- और अच्छा नाम और मूल्यवान पहचान पाने के लिए एक अच्छा तरीका दुनिया में सबसे अच्छी चीज है। अच्छे शिष्टाचार अच्छे नैतिकता का एक हिस्सा हैं, और हम इसे शिक्षा, ज्ञान और अंत में अपने परिवेश जैसे घर, स्कूल आदि से प्राप्त करते हैं। अच्छे शिष्टाचार हमारे आस-पास के लोगों को आसान और आरामदायक बनाने की कला है। अच्छे संस्कारों की शुरुआत हमेशा घर से होनी चाहिए। शिष्टता कोई गहना या कपड़ा नहीं है जिसे केवल पहनने के लिए पहना जाता है, इसके बावजूद यह वह दृष्टि है जो हर किसी को अपनी भाषा, व्यवहार और अपने व्यवहार में होनी चाहिए। एक व्यक्ति हमेशा वास्तविक रूप में दिखने के लिए संतुष्ट होने से अधिक प्राप्त करता है, जो वह वास्तव में नहीं है उसे प्रकट करने का प्रयास करने से। अच्छे संस्कार बहुत अच्छी समझ, कुछ अच्छे स्वभाव और थोड़े से आत्म-दयालु हृदय का परिणाम होते हैं जो कभी-कभी वास्तविक प्रशंसा के तरीके से दूसरों की भावनाओं, भावनाओं और दिल को छू लेते हैं। यह सामाजिक रूप से दिल से महसूस किया जाना चाहिए, सभी को हमेशा याद रखने के लिए कि वास्तविक अर्थों में शिष्टाचार का मूल्य भावनाओं की ईमानदार अभिव्यक्ति और पूर्ण भावनाओं को व्यक्त करना है।

युवा छात्रों को व्यवहार करना चाहिए, लेकिन कभी-कभी वे अक्सर उस समय डरपोक, संकोची और आत्म-भयभीत महसूस करते हैं जब भी उन्हें कई लोगों के सामने किसी अजनबी द्वारा पेश किया जाता है। इस भावना को दूर करने का एक ही तरीका है कि वे अपने माता-पिता की मदद से और अपने स्कूल से भी अपने शिक्षकों, दोस्तों आदि की मदद से घर से शिष्टाचार के पहलुओं को सीखना शुरू कर दें। अच्छे शिष्टाचार को इतना नहीं सीखा जाता है जितना कि आदत से ही आसानी से। हम सभी को विनम्र, ऊर्जावान, दयालु, उत्साही, एक अच्छा शिक्षार्थी होना चाहिए, तभी हम अपने अंदर सभी प्रकार के गुण अर्जित कर सकते हैं। यह सच में देखा गया है कि अगर हम सभी अपने घर में कर्कश और शोरगुल वाला व्यवहार करेंगे, तो उसी तरह हम बाहर के अजनबियों के साथ भी व्यवहार करेंगे। इसलिए, यह हमारा नैतिक कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि हम अपने भीतर ऐसी चीजों को अपनाएं जो हमें अपने जीवन को सबसे सुविधाजनक और केंद्रित तरीके से जीने में मदद करें। एक कंपनी में सबसे अधिक सहमत व्यक्ति वे होते हैं जो घर पर सबसे अधिक सहमत होते हैं। घर उन सभी बेहतरीन चीजों का पाठशाला है, जो हम सभी अपनी उम्र के हर पड़ाव पर हासिल करते हैं और अपने जीवन में सामना करते हैं।

अच्छे संस्कार हमारे जीवन-शिक्षा, करियर और ज्ञान का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। यह बहुत ही रोचक बात है कि विशेष प्रशिक्षण की सहायता के बिना कोई मिथ्या उदाहरण नहीं, कोई परम्परा नहीं, बल्कि अपनी प्रकृति के कारण, सद्बुद्धि के उपहार, एक सच्ची गर्व की भावना पर्याप्त उपाय हैं जो हमें स्वतंत्र महसूस करने और अपने जीवन का सामना करने में सक्षम बनाते हैं। आसानी से और सराहनीय। एक सहमत व्यक्ति होने की सच्ची कला सभी कंपनी के साथ अच्छी तरह से प्रसन्न दिखना और सभी परिस्थितियों का सामना एक सौम्य और दयालु हृदय और शांत दृष्टिकोण के साथ करना है। यदि एक आदमी ने खुद को निपटा दिया, तो शायद उसके पास ज्यादा समझदारी, सीखने की क्षमता नहीं है, लेकिन अगर उसके पास सामान्य ज्ञान है, और उसके व्यवहार में कुछ दोस्ताना है, तो निश्चित रूप से यह इस स्वभाव के बिना सबसे चमकीले हिस्सों की तुलना में पुरुषों के दिमाग को अधिक दर्शाता है। यह केवल माना जाता है कि एक प्यारी मुस्कान, शांत अभिव्यक्ति, एक दोस्त या विशेष रूप से एक अजनबी को संबोधित करने में एक बुद्धिमान और विनम्र आंदोलन, जिसे कोई हमारे अच्छे संबंध के लिए सिफारिश कर सकता है, हमेशा हमारा ध्यान आकर्षित करता है, जो इतना आकर्षक है और सकारात्मक रूप से हमारे प्रभाव को चिह्नित करता है उन पर।

गर्व की बात - भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

दुनियां में भारत के सबसे तेज आर्थिक वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था बनने से इतिहास रचने की संभावना - विश्व की हसरत भरी नजरें भारत की ओर - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत, दमदार, प्रबल होना उस देश को आर्थिक स्थिति सुदृढ़ और पूर्ण विकसित देशों में अपने दावेदारी के मानकों में वृद्धि करती है। दुनिया में उसका आर्थिक मोर्चे पर दमदार आगाज होता है। स्वभाविक ही है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उस देश की प्रतिष्ठा में जबरदस्त उछाल आता है। दुनियाभर के निवेशकों की नजरें उस देश में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित रहती है। दुनिया के निवेशकों का बहुत बड़ा भाग उस देश में निवेश करने आता है और अर्थव्यवस्था की सीढ़ी को ऊंचाई तक ले जाने वाले पहिए अपने आप बनते चले जाते हैं। आज ऐसी ही कुछ बात हमारे भारत देश के साथ होने की ओर अग्रसर है, क्योंकि भारत एक बार फिर दुनिया की 5 टॉप इकोनामिक में इंट्री ले ली है। भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़कर तिमाही आधार पर यह स्थान हासिल किया है और भारत की ग्रोथ को देखते हुए भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा यह स्थान स्थाई होगा और आगे चलकर जैसा कि हमारे विजन 2047 विजन 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था पर काम कर रहे हैं हम आर्थिक मोर्चे पर विश्व गुरु जरूर बनेंगे ऐसा मेरा मानना है, इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर भारत के आर्थिक मोर्चे पर दमदार आगाज़ पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) की करें तो उसके अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है, जिसके कारण 2021 के आखिरी तीन महीनों में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। आईएमएफ के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में यह ग्रोथ 2022-23 में भी जारी है, जिसके कारण भारत साल के आधार पर भी दुनिया का सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन सकता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज गति से विस्तार की करें तो, कोरोना महामारी को मात देकर भारत की अर्थव्यवस्था ने तेजगति से अपना विस्तार किया है। एक अनुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 13.5 फीसदी रही है।

साथियों पहले 11वें स्थान पर था भारत, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने पहली तिमाही में बढ़त हासिल कर ली है।

अभी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमेरिका है। जबकि दूसरे नंबर पर चीन फिर जापान और जर्मनी का नंबर है। एक दशक पहले भारत इस सूची में 11वें नंबर पर था और ब्रिटेन पांचवें पायदान पर। भारत ने यह कारनामा दूसरी बार किया है। इससे पहले 2019 में भी ब्रिटेन को छठे स्थान पर धकेल दिया था।

साथियों बात अगर हम भारत के आर्थिक मोर्चे पर दमदार आगाज़ की करें तो, भारत की वृद्धि दर की बात करें तो विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में दूसरे नंबर पर काबिज चीन आसपास भी नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही में चीन की वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है। वहीं कई अन्य अनुमान बताते हैं कि सालाना आधार पर भी भारत के मुकाबले में चीन पीछे रह सकता है।

साथियोंराष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) ने बीते दिनों आंकड़े जारी किए थे। इनके मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 17.6 फीसदी रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10.5 फीसदी रही थी। कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 4.5 फीसदी रही। 2021-22 की पहली तिमाही में 2.2 फीसदी रही थी। भारत ने हाल में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े जारी किए हैं। इसके मुताबिक भारत दुनिया में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 13.5 फीसदी रही, जो पिछले एक साल में सबसे अधिक है।

नकदी के संदर्भ में देखें तो भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार मार्च तिमाही में 854.7 अरब डॉलर है, जबकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर की है।

साथियों बात अगर हम अर्थव्यवस्था के पांचवी रैंकिंग पर आने पर आम लोगों पर असर की करें तो भारत की अर्थव्यवस्था फिलहाल महंगाई, रुपये में गिरावट, महंगे कच्चे तेल, कमोडिटी कीमतों से जूझ रही है. और इन चुनौतियां का सामना सिर्फ भारत ही नहीं पूरा विश्व कर रहा है. यकीनन रैंकिंग बढ़ने का तुरंत ही कोई असर नहीं दिखेगा. क्योंकि महंगाई जैसी वजहें सारी अर्थव्यवस्थाओं पर हावी हैं और इसी वजह से अर्थव्यवस्थाओं का साइज घट बढ़ रहा है. हालांकि ऐसा नहीं है कि भारत के लिए ये उपलब्धि सिर्फ नाम की है।

मध्यम से लंबी अवधि के बीच टॉप 5 में शामिल होना अर्थव्यवस्था के लिए न केवल सकारात्मक है साथ ही इसका प्रभाव आम लोगों की जिंदगी पर पड़ेगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का आर्थिक मोर्चे मोर्चे पर दमदार आगाज हुआ है।गर्व की बात-भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।दुनिया में भारत सबसे तेज आर्थिक वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था बनने से इतिहास रचने की संभावना-विश्व की हसरत भरी नजरें भारत की ओर हो गई है।

चलो थोडा मुस्कराते है।।

चलो थोडा मुस्कुराते है।।

चलो थोडा मुस्कुराते है
इस दवा को आजमाते है.

कठिनाई में खिलखिलाते है,
मुसीबत में भी मुस्कुराते हैं।

जिसकी आदत है मुस्कुराना,
वो ही ज़माने को झुकाते है।

मायुसी विषाद की जड़ होती है,
उदासी को मुस्कुराहट से मिटाते है।

मुस्कुराना औषधि है बेहतरीन,
चलो दवा को भी आजमाते है।

खरीदी न बेचीं जाती मुस्कुराहट,
अनमोल है ये चलो मुस्कुराते है।

बेहतरी के नाम मुस्कुराते है,
सुनहरे कल के लिए मुस्कुरातें है।

संजीव ठाकुर

शार्ट न्यूज

दो जवानों के बीच फाइट, होमगार्ड पर भारी पड़ा सिपाही, बीच सड़क पर गिरा-गिरा कर पीटा

उरई। सोशल मीडिया पर दो जवानों के बीच जूता-लात चलने का वीडियो वायरल हुआ है। एक होमगार्ड का जवान है तो दूसरा यूपी पुलिस का। दोनों एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसा रहे हैं। बीच सड़क पर हो रही दोनों के बीच फाइट को देखने के लिए राहगीर भी रुक गए। फाइट में सिपाही होमगार्ड पर भारी पड़ा। वीडियो 28 अगस्त का बताया जा रहा है। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया जिसे संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने मारपीट करने वाले सिपाही को तत्काल सस्पेंड कर दिया। साथ ही उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। वही होमगार्ड की भी रिपोर्ट कमांडेंट को दे दी गई। जिले के सोशल मीडिया पर वायरल हुआ सिपाही और होमगार्ड के बीच हुई मारपीट का वीडियो उरई जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र के जगम्मनपुर का है। जानकारी के अनुसार पीआरबी 112 की गाड़ी 1606 में सिपाही धर्मवीर सिंह और होमगार्ड सुनील कुमार एक साथ तैनात थे। जहां 28 अगस्त को दोनों के बीच शराब पीने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच जमकर बीच सड़क पर लात जूते चलने लगे। गाड़ी में एक अन्य जवान भी मौजूद था, जिसने दोनों के बीच हो रही मारपीट को सुलझाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा।

बाराबंकी के जिला कारागार में 26 कैदी एचआईवी पॉजिटिव, जेल प्रशासन के लिए बना मुसीबत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में 26 कैदियों में एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। 10 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक जिला कारागार में तीन चरणों में कैंप लगाकर कैदियों की जांच की गई थी जिसमें 26 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए थे। इसमें से 4 कैदियों को एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी दी जा रही है। इसके अलावा नए 22 कैदियों को तत्काल इलाज करने की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कारागार में शिविर लगाकर बंदियों की एचआईवी जांच की। जिसमें 26 कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। स्वास्थ्य विभाग ने जिला कारागार प्रशासन को उच्चाधिकारियों से अनुमति लेकर कैदियों को लखनऊ के एआरटी सेंटर से लिंक कराने के लिए पत्र लिखा है। अनुमति मिलते ही जेल प्रशासन कैदियों को आर्टी सेंटर ले जाकर इलाज कराएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ विनोद कुमार दोहरे ने बताया कि जिला कारागार में हर साल टीबी व एचआईवी जांच के लिए कैदियों की स्क्रीनिंग की जाती है। जिला जेल के फार्मासिस्ट विजय नारायण व जिला पीएमडीटी कोऑर्डिनेटर शिशिर कांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में तीन शिविर आयोजित हुए। इस बार लगा पहला कैंप 3 से 10 अगस्त तक चला। इस बीच 1282 कैदियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 10 कैदी एचआईवी पॉजिटिव मिले।

अमेठी : बाइक बचाने में खंभे से टकराई बस, बंद थी सप्लाई, टला बड़ा हादसा

अमेठी। रायबरेली से सुलतानपुर की तरफ जा रही अयोध्या डिपो की बस गौरीगंज थाना क्षेत्र के बरनाटीकर गांव के करीब एक बाइक को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा टकराई। विद्युत पोल टूटकर बस पर जा गिरा। हालांकि विद्युत सप्लाई बंद होने से बड़ी घटना होने से बच गई। बस में सवार छह यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों का इलाज हुआ। सोमवार की अपरान्ह लगभग एक बजे अयोध्या डिपो की बस रायबरेली से सुलतानपुर की तरफ जा रही थी। बस को अयोध्या जिले के बीकापुर निवासी नरेन्द्र तिवारी चला रहा था। बीकापुर का ही निवासी सूबेदार यादव परिचालक के रूप में बस पर था। जैसे ही बस गौरीगंज थाना क्षेत्र के बरनाटीकर गांव के करीब पहुंची तभी सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा टकराई। विद्युत पोल टूटकर बस पर गिर पड़ा। दुर्घटना में बच का चालक व परिचालक को चोटें नहीं आई। लेकिन बस में सवार यात्रियों में से छह यात्री घायल हो गए। जिनमें पीपरपुर निवासी अजय यादव, जायस निवासी अब्दुल कलाम, रायबरेली निवासी मो. असलम व उनकी पुत्री नाजिया बानो, गौरीगंज के ऐंधी निवासी राकेश कुमार व पश्चिम बंगाल प्रदेश के जलपाईगुड़ी निवासी नरेन्द्र तिवारी शामिल हैं।

लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सड़क हादसे में घायल हुई यूक्रेन की युवती, वेंटिलेटर पर

कानपुर। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ में सड़क हादसे में यूक्रेन की 27 वर्षीय युवती ओजेरोवा अलेक्जेंडर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे नाजुक स्थिति में सोहरामऊ पुलिस ने जीएसवीएम मेडिकल कालेज के हैलट इमरजेंसी में भर्ती कराया है. उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एनस्थीसिया आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर सोमवार सुबह एलआईयू की टीम ने उसके कागजात की देखने पहुंची और उसके आधार पर विदेश मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी है। हैलट के प्रमुख अधीक्षक प्रो. आरके मौर्या का कहना है कि उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है, जिससे वह होश में नहीं है। प्रो. मौर्या ने बताया कि रविवार देर रात पुलिस यूक्रेन की युवती को नाजुक स्थिति में लेकर इमरजेंसी आई थी। पुलिस से पता चला है कि हादसे में उसकी कार के चालक की मौत हो गई और उसके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। युवती की आंखें नहीं खुल रही, बोल नहीं रही और न ही हाथ पैरों में कोई हरकत नहीं थी। उसके दिल में सिर्फ धड़कनें चल रही हैं। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्नाव पुलिस ने युवती के पास से मिले पासपोर्ट के आधार पर उसकी पहचान की है। उसके आधार पर पुलिस और प्रशासन को सूचना भेजी गई है।

आनंदीबेन पटेल ने होटल अग्निकांड में मारे गये लोगों के प्रति व्यक्त किया दुख्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक होटल में सोमवार सुबह लगी आग में मारे गये लोगों के प्रति गहरा दु:ख व्यक्त किया राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति व शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। गौरतलब है कि हजरतगंज इलाके में स्थित होटल लिवाना सुइट में सोमवार सुबह लगी आग में झुलसकर दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गयी और आठ अन्य घायल हो गये। आग लगने की घटना के कुछ देर बाद ही मुख्यमंत्री योगी ने इस पर संज्ञान लेते हुये घायलों को तत्काल इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाने के निर्देश दिये थे।

दीपोत्सव पर 18 लाख से अधिक दीयों से रोशन होगी राम नगरी अयोध्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राम नगरी अयोध्या में इस साल दीवाली के अवसर पर एक बार फिर दीपोत्सव मनाते हुए 14 लाख से ज्यादा दीयों को जलाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में सोमवार को अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गईं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अयोध्या में त्रेतायुग को जीवंत करने के लिए इस बार दीपोत्सव में 14 लाख से ज्यादा दीयों को जलाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने कमर कस ली है। इसके अलावा अयोध्या के प्रमुख 21 मंदिरों में 4.50 लाख दीये जलाए जाएंगे। पर्यटन विभाग ने सभी जिलों के डीएम को अपनी-अपनी ग्राम सभा से दस-दस दीये बनवाकर दीपदान करने को कहा गया है। ये सभी दीये सरयू तट पर राम की पैड़ी पर जलाए जाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी राम की पैड़ी पर उपस्थित रहेगी। प्रमुख सचिव (पर्यटन), मुकेश मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर हर साल दीपावली की पूर्व संध्या पर अयोध्या में भव्य दीपोत्सव मनाया जाता है। इस बार छठवें दीपोत्सव पर राम की पैड़ी में 14 लाख से ज्यादा दीयों को जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराया जाएगा। पिछली बार यहां 12 लाख से ज्यादा दीये जलाए गए थे।

गोरखपुर और कुशीनगर में मुठभेड़, दो पशु तस्करों के पैर में लगी गोली; 5 गिरफ्तार

कुशीनगर। यूपी के गोरखपुर और कुशीनगर में सोमवार को पुलिस की पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। कुशीनगर में मुठभेड़ के दौरान 2 पशु तस्करों के पैर में गोली लग गई। कुशीनगर में दो और गोरखपुर में 3 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

कुशीनगर में मुठभेड़ तमकुहीराज थानाक्षेत्र के लतवा चट्टी बड़ी गण्डक नहर के पास हुई। कुशीनगर में मुठभेड़ की इस घटना को लेकर मौके पर घंटों अफ़रा तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराते हुए घायल दोनों पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। उधर, गोरखपुर में भी पिछले एक हफ्ते से आतंक मचा रखे तीन और पशु तस्करों को रविवार की आधी रात बाद एक मुठभेड़ में चौरीचौरा पुलिस ने दबोच लिया है।

कुशीनगर में सोमवार की सुबह सीओ तमकुहीराज जितेन्द्र सिंह कालरा को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि पशु तस्कर पिकअप पर लादकर पशुओं की खेप बिहार ले जाने की फिराक में हैं।

सीओ ने सूचना वायरलेस सेट से उच्चाधिकारियों को देने के साथ ही सर्किल के सभी थानों को अलर्ट कर दिया।

कुछ ही देर में सीओ की अगुवाई में जिले की स्वाट टीम, तमकुहीराज, तरया सुजान, पटहेरवा और पडरौना पुलिस टीम संयुक्त रूप से फोरलेन पर लतवा चट्टी के समीप टोह लगाकर पशु तस्करों के तलाश में जुट गई। तभी तेज गति से गुजर रही पिकअप को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया तो चालक और तेज गति से पिकअप को लेकर गण्डक नहर की पटरी की तरफ मोड़ कर भागने लगा। पुलिस टीम के पीछा करने पर तस्करों ने फायर झोंक दिया। जबाबी कार्रवाई में पिकअप पर सवार दो तस्करों को पैर में गोली लग गयी। पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर लिया।

घायल दोनों पशु तस्करों का प्राथमिक उपचार सीएचसी तमकुहीराज में कराने के बाद उन्हें जिला अस्पताल पडरौना रेफर कर दिया गया।

वहीं मौके से पुलिस ने पिकअप पर लदे प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराते हुए पशु तस्करों के पास मौजूद अवैध असलहा बरामद किया।

थानाध्यक्ष तमकुहीराज अश्वनी कुमार राय ने बताया कि मुठभेड़ में पकड़े गए तस्करों की पहचान अब्दुल अजीज पुत्र नसरुद्दीन शाह निवासी कुचिया मठिया पोखरभिंडा थाना पटहेरवा और प्रेम तिवारी पुत्र गोरख तिवारी निवासी नवादा परसोना थाना उचकागांव जनपद गोपालगंज, बिहार के रूप में हुई है। दोनों शातिर पशु तस्कर हैं। इनके अपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है।

गोरखपुर में भी मुठभेड़, तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

गोरखपुर में पिछले एक सप्ताह से आतंक मचाने वाले तीन और पशु तस्करों को रविवार की आधी रात बाद एक मुठभेड़ में चौरीचौरा पुलिस ने दबोच लिया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली से एक तस्कर घायल भी हुआ है उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि पशु तस्करों को पकड़ने के लिए रविवार की आधी रात को चेकिंग की जा रही थी। कुशीनगर रोड पर चौरीचौरा के सोनाबरसा में रात 12 बजे के बाद पशु तस्करों की दो गाड़ियां आती दिखी। चौरीचौरा थानेदार और उनकी टीम ने रोकने का प्रयास किया तो पिकअप और बोलेरो सवार पशु तस्कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो वे डोमरी मार्ग मुड़ गए कुछ दूर आगे जाने के बाद पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया और दो अन्य पकड़ लिए गए जबकि अन्य पशु तस्कर गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। एसपी नार्थ ने बताया कि घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं अन्य दोनों से पूछताछ कर उनके गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

मेरठ में पत्नी के मोटे होने पर शौहर ने दिया तीन तलाक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक शख्स ने अपनी पत्नी को केवल इसलिए तलाक दे दिया क्योंकि वो शादी के बाद उसका वजन बढ़ रहा था। जब इस मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो उसने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक मेरठ की रहने वाली नजमा बेगम की शादी आठ साल पहले मोहम्मद सलमान के साथ हुई थी। पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद

वह मोटी होने लगी। जिसके बाद शौहर ताने मारने लगा और बाद में तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। पीड़िता पिछले कुछ दिनों से अपने मायके में रह रही है। पीड़िता ने बताया कि उसका एक बेटा भी है जिसकी उम्र सात साल है। पत्नी ने बताया कि शौहर अक्सर मोटापे की वजह से मारपीट करता था। सर्किल ऑफिसर अरविंद चौरसिया ने बताया कि एक महिला का वीडियो वायरल हुआ। संज्ञान में लेने पर पता चला कि ये मामला तीन तलाक का है। जिसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रायबरेली : सड़क दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी गंभीर

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राजघाट के देदौर इलाके में सोमवार को मोटरसाइकिल सवार दंपती तेज रफ्तार पैसेंजर बस की चपेट में आ गए जिससे पति की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि पत्नी को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिन के समय सई नदी पर राजघाट पुल के पास देदौर इलाके में मोटरसाइकिल सवार दम्पति तेज़ रफ़्तार पैसेंजर बस की चपेट में आ गए, जिससे पति की मौके पर ही मौत हो गयी और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गयी।

कुशीनगर : महिला से बदसलूकी करने के आरोप में दरोगा निलंबित

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में अपहरण के आरोपी युवक की तलाश के दौरान एक दरोगा द्वारा आरोपी की मां के साथ बदसलूकी करने पर जिले के पुलिस अधीक्षक ने उस दरोगा को निलंबित कर दिया है।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि जिले के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के असना गांव में अपहरण के आरोपी युवक की तलाश में पहुंचे दरोगा ने आरोपी की मां के साथ बदसलूकी की।

इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पर पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने दरोगा सुनील सिंह को निलंबित कर दिया। जायसवाल ने कहा कि इस मामले की जांच कराई जा रही है। असना निवासी एक महिला ने बताया कि उसका बेटा फरवरी माह में किसी बात से नाराज होकर घर से कहीं चला गया था। इसके कुछ दिनों बाद गांव की लड़की भी लापता हो गई। महिला का कहना है कि लड़की के घरवालों ने उसके बेटे पर अपहरण का मुकदमा दर्ज करा दिया।

मोदी के जन्मदिन से बापू की जयंती तक भाजपा मनायेगी सेवा पखवाड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से दो अक्टूबर यानी गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने सोमवार को बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिव एवं कृतित्व पर जिला स्तर पर प्रर्दशनी लगाएंगे जबकि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 'रक्तदान महादान' के संकल्प के साथ रक्तदान शिविर लगाकर रक्तदान करेंगे। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किये जाएगें तथा दिव्यांगो को कृतिम अंग तथा उपकरण वितरित किये जाएगें। कोविड की बूस्टर डोज लेने के लिए जनता को प्रेरित करने के लिये टीकाकरण केन्द्रों पर स्टाल लगाकर पार्टी जागरूकता करेगी तथा लोगों को टीकाकरण केन्द्रो तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।

उन्होने बताया कि पखवाड़े के तहत पार्टी सभी बूथों पर वृक्षारोपण अभियान चलाएगी तथा मण्डल स्तर पर दो दिन स्वच्छता अभियान भी चलाएगी।

पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ शातिर अपराधी

रीढ़ की हड्डी में दर्द बताकर अस्पताल में हुआ था भर्ती

आगरा। यूपी के आगरा में एक शातिर अपराधी पुलिस को चमका देकर फरार हो गया। अपराधी रीढ़ की हड्डी में दिक्कत बताकर अस्पताल में भर्ती हुआ। जहां उसे आने-जाने के लिए व्हीलचेयर का इस्तेमाल किया जाता था। वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों के तीमारदारों के मुताबिक, बंदी अधिकांश समय बेड पर ही पड़ा रहता था। बेड से उठ कर शौचालय जाने के लिए व्हील चेयर का प्रयोग करता था। इसमें मौजूद पुलिसकर्मी उसकी मदद करते थे।

पुलिस ने बताया कि बंदी नीरू को 14 जुलाई साल 2022 में कमर में

दिक्कत होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के बाद अगले दिन उसे छुट्टी दे दी गई थी। कासगंज जेल में उसने दोबारा रीढ़ की हड्डी में दिक्कत बताई। 17 अगस्त को उसे कासगंज जिला अस्पताल से एसएनएमसी रेफर किया गया। यहां पर एसएनएमसी के हड्डी विभाग में भर्ती किया गया।

रविवार को अस्पताल से होने वाला था डिस्चार्ज

एमआरआई रिपोर्ट में डॉक्टरों को उसकी रीढ़ की हड्डी में कोई दिक्कत नहीं मिली। उसे रविवार दोपहर को डिस्चार्ज किया जाना था। सुबह वह व्हील चेयर से शौचालय गया। बाद में गैलरी में बीड़ी पीने लगा।

उससे पुलिस की नजर कुछ देर के लिए हटी तभी बंदी व्हीलचेयर से उठकर गैलरी के पास सीढ़ियों से उतरकर भाग गया।

व्हीलचेयर पर बंदी को न देख पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। उन्होंने पूरा परिसर छान मारा। मेडिकल कॉलेज के बाहर बाजार में उसकी तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि बंदी व्हील चेयर का उपयोग पुलिस को चकमा देने के लिए कर रहा था। यह उसकी साजिश का हिस्सा था।

एसपी सिटी विकास कुमार ने कहा कि बंदी के फरार होने में पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आई है। उनके और बंदी के खिलाफ एमएम गेट थाने में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। बंदी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बिना नक्शा पास कराये चल रहा था लिवाना सुइट्स होटल, ध्वस्त किया जाये : मंडलायुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को होटल लिवाना सुइट्स में हुए भीषण अग्निकांड की मंडलायुक्त के स्थलीय निरीक्षण में पता चला है कि यह होटल लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से नक्शा पास कराये बिना ही चल रहा था। साथ ही अग्निशमन मानकों का उल्लंघन होने के बावजूद दमकल विभाग से इस होटल को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किया गया था। इस आधार पर मंडलायुक्त ने होटल को सील कर ध्वस्त करने का आदेश दिया है।

गौरतलब है कि अग्निकांड में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गयी, जबकि आठ अन्य घायल हो गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने लखनऊ के मंडल आयुक्त एवं पुलिस आयुक्त को इस अग्निकांड की जांच कर तत्काल आख्या प्रस्तुत करने को कहा गया था।

शुरुआती जांच के आधार पर मंडल आयुक्त डा रोशन जैकब द्वारा जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि उक्त होटल नक्शा पास हुए बिना चल रहा था। आदेश में एलडीए के उपाध्यक्ष से कहा गया है कि होटल के संचालन में लिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध प्रभावी अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

यहां हजरत गंज में मदन मोहन मालवीय मार्ग पर स्थित लिवाना सूइट्स होटल में हुए अग्निकाण्ड का स्थल निरीक्षण में पता चला है कि अग्निकांड की घटना होटल के प्रथम तल पर घटित हुई है। जिसमें कुछ लोगों की दु:खद मृत्यु हो गयी है। इस दौरान एलडीए के उपाध्यक्ष द्वारा संज्ञान में लाया गया कि गत 12 मई को अग्निशमन विभाग ने 2021 से 2024 तक के लिए होटल को फायर की एनओसी दी थी। प्रथमदृष्टया होटल में आग लगने की स्थिति में निकास प्रबन्धन प्रणाली का अभाव पाया गया। आदेश में कहा गया है कि फसाड पर लोहे की तमाम ग्रिल होने के बावजूद फायर की एनओसी कैसे निर्गत की गयी है, यह जांच का विषय है।

औरैया में ऑटो की टक्कर से शिक्षिका की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में शिक्षक दिवस पर विद्यालय में पढ़ाने के लिए जा रही एक शिक्षिका को ऑटो चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गयी। दुर्घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने शिक्षिका को घायल अवस्था में सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिक्षिका की मौत की जानकारी होने पर विद्यालय में शिक्षक दिवस कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया और विद्यालय को बंद कर दिया गया। लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि बेला रोड निवासी 23 वर्षीय शिक्षिका नेहा उर्फ दुर्गा पुत्री घनश्याम मिश्रा की आज सुबह सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी।

सक्षम एवं समर्थ अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है उत्तर प्रदेश : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर कानून व्यवस्था के चलते पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनायें प्रबल हुयी है और जनसंख्या घनत्व के मामले में अव्वल यह राज्य सक्षम एवं समर्थ अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। अश्वमेधा-एलारा इंडिया डायलॉग-2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि पांच वर्ष में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। लेबर और इन्वेस्टर रेग्युलेशन में हमारी सरकार ने 500 से अधिक सुधार किए हैं। 40 विभागों के 1400 कंप्लायन्स निरस्त किए गए हैं। निवेश मित्र के माध्यम से 19 विभागों की 353 सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। हमने प्रदेश में ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है। इससे उद्यमियों का प्रदेश में निवेश करना आसान हुआ है।

उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश डिजिटल क्रांति का अग्रदूत है। भारत के कुल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 45 प्रतिशत कार्य यहीं होता है। सबसे ज्यादा मोबाइल कंपोनेंट्स प्रदेश में बनाए जाते हैं। डेटा कलेक्शन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी हैं। निवेश बढ़ाने के लिए हम नई औद्योगिक नीति लेकर आ रहे हैं। लैंड बैंक की दिशा में हमने कई सुधार किए हैं। यूपी में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बना रहे हैं।

नकली दवा सिंडिकेट से अब तक छह करोड़ की नकली दवाएं जब्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नकली दवा बनाने वालों के गिरोहों पर नकेल कसने के लिये ड्रग माफिया के खिलाफ चलाये गये अभियान में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) ने पिछले छह महीने में अब तक लगभग 06 करोड़ रुपये की नकली दवायें बाजार में पहुंचने से रोक कर जब्त कर ली है।

सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों के हवाले से यह जानकारी दी गयी। एफएसडीए की अपर मुख्य सचिव अनीता सिंह ने बताया कि नकली दवा बनाने वाले सिंडीकेट को तोड़ने के लिये इस साल 08 मार्च से 01 सितंबर तक 174 छापेमारी की गई है। इस अभियान में करीब छह करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त हुई हैं। बिना लाइसेंस और नकली औषधि बनाने या बेचने के आरोप में 66 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

गौरतलब है कि योगी ने ड्रग माफिया तंत्र को ध्वस्त करने के लिये एफएसडीए को नकली दवाओं और खाद्य पदार्थों के सैंपल बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि एफएसडीए ने इसके अनुपालन में हर साल 20 हजार सैंपल एकत्र करने का फैसला किया है। अभी यह संख्या 5000 तक ही सीमित थी।

एफएसडीए के आंकड़ों के मुताबिक पिछले छह महीनों में लगभग 06 करोड़ रुपये की नकली दवायें जब्त की जा चुकी हैं। एफएसडीए ने 24 अगस्त से एक सितंबर तक ड्रग माफिया के खिलाफ चले विशेष अभियान में 32 लाख रुपये से अधिक की नकली दवाएं जब्त की हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2017 से एफएसडीए ने अब तक 83 करोड़ रुपये की नकली दवाएं पकड़ी हैं। इस दौरान नकली दवायें बनाने वाले ड्रग माफिया सिंडीकेट में शामिल 07 हजार से अधिक दवा लाइसेंस निरस्त किये गये हैं।

बस से उतरते हुए पांच वर्षीय छात्रा की कुचलने से मौत

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र में सोमवार को बस से उतरने के दौरान पांच साल की एक छात्रा चालक की लापरवाही से बसे के नीचे आ गयी और मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि पटहरेवा थानाक्षेत्र में काजीपुरगांव निवासी रामबाबू यादव की पांच वर्षीय पुत्री अराध्या की स्कूल की बस के नीचे आकर मौत हो गयी। चालक की लापवाही से हुई इस दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने चालक का कब्जे में ले लिया । सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव और चालक दोनों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलते ही कार्रवाई की जायेगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही बस रूकी अराध्या बस से उतर के आगे से निकली की इसी दौरान चालक ने बस आगे बढ़ा दी जिससे वह गिर गई और उसका सिर पहिए के नीचे आ गया। इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

अब उद्यान विभाग में तबादले तैनाती को लेकर नियमों की अनदेखी का आरोप

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में अधिकारियों के तबादले तैनाती की नयी नीति बनाये जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग में उपजे विवाद के उपरांत अब उद्यान विभाग में भी उपनिदेशक स्तर पर अधिकारियों को प्रभार सौंपने में नियमों की अनदेखी करने का मामला उजागर हुआ है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के तीन मंडलों में उप निदेशिक पद का अतिरिक्त प्रभार दिये जाने को लेकर नियमों की अनदेखी करने के मुद्दे पर नौकरशाही और विभागीय मंत्री के बीच आमराय नहीं बन पा रही है। विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस मामले में दो जिलों के उद्यान अधिकारियों एवं एक शोध अधिकारी को मिर्जापुर, चित्रकूट एवं प्रयागराज मंडल के उपनिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार

सौंपने पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह की संस्तुति मिलने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया है।

सूत्रों के अनुसार इस तैनाती को मंत्री की संस्तुति मिलने के बाद विभाग के निवर्तमान प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने नियुक्ति आदेश पर हस्ताक्षर करने से यह कहते हुए इंकार कर दिया है कि विभाग में नये अपर मुख्य सचिव (एसीएस) के रूप में मनोज कुमार सिंह की नियुक्ति हो गयी है, लिहाजा नियुक्ति आदेश पर नये एसीएस ही हस्ताक्षर करेंगे। गौरतलब है कि गत एक सितंबर को एसीएस बनाये गये सिंह सोमवार को कार्यभार संभालने के बाद ही इस मामले में संज्ञान लेंगे।

इससे पहले 21 अगस्त को उप्र उद्यान अधिकारी एसोसिएशन ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को पत्र लिखकर नियुक्ति नियमावली का हवाला देते हुए इन तीनों मंडलों में उपनिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार समकक्ष अधिकारी को ही सौंपने का अनुरोध किया था। संगठन के एक अधिकारी ने बताया कि इसकी अनदेखी कर मंत्री ने नियुक्ति को अपनी संस्तुति दे दी है, लेकिन नियुक्ति आदेश को लागू करने के लिये फाइल अभी एसीएस के पास लंबित है। अधिकारियों के संगठन ने पत्र के माध्यम से मंत्री को बताया कि नियमानुसार जिला उद्यान अधिकारी या शोध अधिकारी को मंडल के उपनिदेशक पद का प्रभार नहीं सौंपा जा सकता है।

शिक्षा के पुरोधा को नमन करते हुए शिक्षक दिवस पर शिक्षाविदों ने रखे विचार

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

जीवन में जितना माँ का स्थान होता है उतना ही शिक्षक का स्थान होता है। शिक्षक एक व्यवसाय नहीं, शिक्षक एक नौकरी भी नहीं बल्कि, शिक्षक एक जीवन धर्म है। शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते, सफल शिक्षक के विचार और मन में यही रहता है कि, वह नई पीढ़ी को नवीन ज्ञान और ऊर्जा प्रदान करते रहें। लेकिन, वही शिक्षक देश और समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। जो समय से दो कदम आगे रहते हैं। जो समय से दो कदम आगे नहीं रहते हैं। वह देश व समाज को कभी भी आगे नहीं बढ़ा सकते। समय से दो कदम आगे वही हो सकता है। जो बदलते हुए जगत को जानता है, समझता है और प्रयास करता है। भारत में प्रति वर्ष 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाने की परंपरा चली आ रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ और अभूतपूर्व योगदान के ज़िक्र में महान शिक्षाविद और भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति व द्वितीय राष्ट्रपति रह चुके अवकाशप्राप्त डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन स्वरूप यह दिवस मनाया जाता है। 5 सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुट्टनी में उनका जन्म हुआ और 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में उनका निधन हो गया था। डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन अपने जीवन में स्वामी विवेकानंद द्वारा मिली प्रेरणा से अत्यंत प्रभावित थे। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक सहित एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की इन्हीं विशेषताओं के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान सहित भारत रत्न से अलंकृत किया था। इससे पूर्व शिक्षा के पुरोधा अवकाशप्राप्त डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत सरकार द्वारा 27 बार नोबेल पुरस्कार के लिए भी नामित किए गए थे।

जब वे राष्ट्रपति बने, तब बच्चों ने उनका जन्मदिन मनाना चाहा। इस पर उन्होंने कहा- 'मेरा जन्मदिन मनाने की बजाय 5 सितंबर को शिक्षक दिवस स्वरूप मनाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा - एक अच्छा शिक्षक वही होता है, जिसके भितर का छात्र कभी मरता नहीं, इससे शिक्षकों के लिए गर्व की बात होगी।' उस दिन से शिक्षक दिवस को पूरे भारतवर्ष में परंपरागत शुरू किया गया। इस सन्दर्भ में भारत सरकार ने भी उनके जन्मदिवस 5 सितंबर को भारतीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया।

गौरतलब है कि, आज़ादी के अमृत महोत्सव में इस वर्ष 5 सितंबर 2022 में भारत देश 61वाँ राष्ट्रीय शिक्षक दिवस सहित महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 135वीं जयंती मनाई जा रही है। देश और दुनिया में शिक्षा सहित मानव व्यक्तित्व को आकार देने और भविष्य को उज्ज्वल बनाने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें देश का एक आदर्श नागरिक भी माना जाता है। शिक्षक दिवस का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का ज़िक के साथ-साथ उन्हें गौरवशाली भारत में गौरव दिलवाना साथ ही शिक्षक दिवस उपलक्ष्य देशभर में शिक्षकों के प्रति सम्मान स्वरूप विभाग द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजन में उन्हें सम्मानित किया जाता है। इस दिवस को स्कूल कॉलेज में विद्यार्थी उत्सव स्वरूप मनाते हुए एक दिवसीय कक्षाओं में शिक्षक की भूमिका निभाते हैं।

शिक्षक दिवस उपलक्ष्य शिक्षाविदों ने रखे विचार

गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल प्रिसिंपल विक्रम सिंह रोहिल्ला

सवाल- शिक्षक दिवस पर विद्यालय में क्या विशेष होता है.?

जवाब- प्रतिवर्ष की भांति विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस दिवसीय प्रत्येक कक्षाओं से एक बच्चे को टीचर बनाया जाता है। बच्चों से पढ़वाया जाता है।

सवाल- गुरु और अध्यापक में क्या अन्तर है?

जवाब - गुरू प्राचीन समय में कहा जाता था। जब गुरु पद्धति होती थी। जब बच्चा गुरू के चरणों में और पास रहकर शिक्षा ग्रहण करता था। उस समय गुरु शब्द प्रयोग होता था। अब अध्यापक हैं। अध्यापक का कार्य अध्यापन है। बच्चों को गाइड करना, बच्चों को पढ़ना है। पढ़ाते तो प्राचीन समय में भी थे। केवल, मात्र शिक्षा के साथ-साथ अन्य शिक्षाएँ भी गुरु देते थे।

रमेश प्रसाद साहू मीडिया फेकल्टी व काउंसलर भारतीय विद्या भवन

प्राचार्या डॉ अनीता तंवर राजकीय महिला महाविद्यालय

प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

प्राचार्य विकास जयदीप राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

सवाल - प्राथमिक शिक्षा को लेकर और शिक्षकों को क्या संदेश देंगे?

जवाब - प्राथमिक शिक्षा बच्चों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। अगर बच्चे की नींव मज़बूत नहीं होगी तो, आगे बच्चा सफल नहीं हो पाएगा। पाँचवीं तक बच्चों की पढ़ाई में ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। उसके बाद में बच्चे की नींव मजबूत है तो बच्चा आगे किसी भी कंपटीशन में किसी भी कक्षा में वह पिछे नहीं रह पाता। प्राथमिक शिक्षा बच्चे का आधार है। प्राथमिक शिक्षकों से निवेदन करता हूँ कि, अधिक से अधिक मेहनत कराकर बच्चों को योग्य बनाएँ।

सवाल : टीचर्स का स्टूडेंट्स के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए?

जवाब - स्टूडेंट्स के प्रति टीचर का व्यवहार और सोच सदैव सकारात्मक होना चाहिए नकारात्मक विचार कभी नहीं आने चाहियें। अध्यापक बच्चों के साथ जितना निष्ठा और प्रेम से पढ़ाया जाएगा उतना ही बच्चे पढ़ाई में रुचि लेंगे और सिखेगें। जबकि, डांट-फटकार से बच्चा इतना नहीं सिख पाता। अध्यापक बच्चों के साथ घुल-मिलकर उनकी मानसिकता और योग्यता को पहचाने और उसे शिक्षा देवें।

सवाल : सरकारी स्कूल और प्राइवेट स्कूल की पढ़ाई व शिक्षकों पर क्या कहेंगे?

जवाब : प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में सभी शिक्षक का एक ही कर्तव्य और लक्ष्य होना चाहिए, बच्चों के सर्वांगीण विकास अहम भागीदारी निभाएं।

गवर्नमेंट ब्वॉय स्कूल प्रिसिंपल विकास जयदीप

सवाल- अध्यापक और गुरू में क्या अंतर है?

जवाब - यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में, अध्यापक में गुरु भी शामिल है। गुरु में गुरुत्वा होती है। जिसकी महत्वता अधिक होती है। जो कई मामलों में संपूर्ण है। गुरु के दायित्व और दायरे अधिक बड़े होते हैं। गुरु पूरे जीवन की जिम्मेदारी लेकर चलता है। अध्यापक सिर्फ़ अध्यापन का कार्य करता है। जो बच्चों का पाठ्यक्रम पूरा करवाता है। बच्चों को परिक्षा अच्छे अंक दिलवाता है।

सवाल- प्राचीन पढ़ाई और अब की पढ़ाई में क्या बदलाव हुए?

जवाब - प्राचीन शिक्षा पद्धति और अब की पढ़ाई में दिन - रात जितना परिवर्तन होते हुए काफी बदलाव हुआ है। सेलेबस अपडेट होने के साथ-साथ पढ़ाई में बेसिक स्किल्स जोड़ दिए गये हैं साथ ही सिखाने के तौर तरिके बदल गए हैं। पहले विद्यार्थियों की संख्या अधिक होती थी और अध्यापक कम होते थे। अब कम विद्यार्थीयों पर अध्यापक अधिक होते हैं। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा जाता है। प्रत्येक विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोशिश की गई है कि, नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षकों द्वारा व्यवहारिक ज्ञान बच्चों को अधिक से अधिक देने का प्रयास किया गया है।

सवाल - सरकारी स्कूल और प्राइवेट स्कूल की पढ़ाई को लेकर आप क्या कहेंगे.?

जवाब - पाठ्यक्रम दोनों में एक ही है। प्राइवेट स्कूल के बारे में कुछ नहीं कहूंगा! दोनों स्कूलों के प्लेटफार्म अलग-अलग हैं। लेकिन, सरकारी स्कूल में भी बहुत ज्यादा सुविधाएं है। पहले की तुलना में सरकार द्वारा स्कूल में पढ़ाई व्यवस्था को लेकर प्रत्येक बच्चे पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। पूरे भारत में हरियाणा सरकार सबसे ज्यादा व्यय करती है। इसलिए सरकारी स्कूलों का ढांचागत सुधार भी बहुत हुआ है। सुविधाओं के साथ-साथ अध्यापकों की बढ़ोतरी हुई है। मिड डे मील से लेकर अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों को देते हुए सरकारी स्कूल बेहतर हैं। कम नाम मात्र फिस में शिक्षा प्रदान किया जाता है। लेकिन, आज के समाज की मानसिक दृष्टिकोण को देखते हुए प्राइवेट स्कूल की तरफ़ झुकाव अधिक है। इसलिए अभिभावक बच्चों प्राइवेट स्कूलों में अधिक भेजते हैं। सरकारी स्कूल किसी भी रुप में प्राइवेट से कम आंकलन नहीं किया जा सकता। वहीं प्राइवेट स्कूल किसी भी रुप में सरकारी स्कूल से ज्यादा बेहतर नहीं हैं। सम्पन्न वर्ग प्राइवेट स्कूल का चयन कर सकता है तो वहीं दूसरा वर्ग के लिए सरकारी विद्यालय अमृत व रामबाण का काम कर रहे हैं।

सवाल : प्राथमिक शिक्षा और स्नातक शिक्षा में कौनसी महत्वपूर्ण है?

जवाब - प्राथमिक शिक्षा विद्यार्थियों के जीवन काल की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा है। परिश्रम निष्ठा लग्न इमानदारी से कोई बच्चा पूरी करता है। निश्चित तौर पर उसके आगे की शिक्षा बेहद आसान हो जाती है।

सवाल - जो टीचर बच्चों पर गौर नहीं करते उनके लिए आपका क्या संदेश है?

जवाब - मैं कहूँगा कि, हम सभी को अपने पेशे से न्याय करना चाहिए। सरकारी स्कूल शिक्षकों पर जिम्मेदारियाँ अधिक होती हैं। बजाय दूसरे पक्ष के हम सबको अधिक मेहनत करना चाहिए। क्योंकि, हमारे बच्चे ऐसे होते हैं, जिनके अभिभावक व अध्यापक भी हम ही होते हैं। यहाँ तक कि, माता-पिता की भूमिका भी हमें ही निभानी पड़ती है। हमारे पास है ऐसे बच्चे आते हैं, उन बच्चों को यदि हम न्याय और स्थान नहीं दिलवाएंगे तो कहीं न कहीं एक अन्याय साबित होगा।

सवाल - शिक्षा को लेकर विद्यार्थियों को क्या कहेंगे.?

जवाब - विद्यार्थियों के लिए सबसे प्राथमिक कार्य मन लगाकर पढ़ना चाहिए। यदि दो कार्य है तो एक पढ़ाई को चयन करना चाहिए। शिक्षा का उदेश्य सिर्फ़ नौकरी पाना नहीं बल्कि, स्वयं के जीवन को समझना क्या करना है और कैसे करना है। शिक्षा मानसिक बौद्धिक विकास के लिए अहम है।

गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज प्रिसिंपल डॉ. अनीता तंवर

शिक्षक दिवस सभी शिक्षक वर्ग के लिए विशेष है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अपना जन्मदिन राष्ट्रपति के रूप में नहीं बल्कि एक शिक्षक के रूप में उन्होंने मनाने की अपील की। शिक्षक दिवस पर हम सभी को यह शपथ लेनी चाहिए। जो गुरु है वह गुरु की भूमिका निभाए जो प्राचीन काल से शिक्षक की शिक्षा के प्रति दायित्व और मर्यादा बताई गई है उसे निभाए। गुरु को ब्रम्हा विष्णु महेश जैसे त्रिदेवों में स्थान दिया गया है। गुरु का सर्वोच्च स्थान है।

आदिकाल से चली आ रही गुरु महिमा की विशेषताएं और उनका विस्तार अशेष है। आजकल देखा जा रहा है कि, गुरु की भूमिका पूर्णतया बदल गई है। समाज की सोच बदल गई है। इसलिए इस कमी को खोजना होगा और उस कमी को सुधारते हुए गुरु के प्रति जो समर्पण भाव होता है। जो निष्ठा इमानदारी और मर्यादा होती है। उस समाज की बदली हुई सोच को वापस लाना है।

- गवर्नमेंट स्कूल/कॉलेज प्रिसिंपल व काउंसलर हुए शामिल
- नई - पुरानी शिक्षा नीति में बदलाव पर हुए सवाल
- अध्यापक और गुरु में बताया अंतर
- टीचर्स - स्टूडेंट्स के बीच घनिष्ठ संबंधों पर हुई चर्चा
- प्राथमिकी शिक्षकों के बताए कर्तत्व्य और दायित्व

विद्यार्थियों के लिए कहना चाहूंगी कि, शिक्षक के प्रति आदर मान भाव सम्मान होना चाहिए। समाज में शिक्षा देने वाला गुरु से बढ़कर नहीं हुआ है ना कोई होगा। सारे गुरु एक जैसे नहीं होते, जिनकी मान लिजिये बुद्धि खराब हो गई है चाहे गुरु हो या चाहे शिष्य की जो दोनों में पथ भ्रमित हो गए है। उसे कभी शिक्षा हासिल नहीं हो सकती और इससे शिक्षा स्तर में भी गिरावट आएगी।

टीचर का स्टूडेंट के प्रति अपनत्व का व्यवहार होना चाहिए। टीचर को चाहिए विद्यार्थी को अपने बच्चे की तरह समझना चाहिए। जो भाव मन में बनेगा कि मेरा बच्चा है अभिभावक ने मेरे पास इसको सभ्य नागरिक बनाने के लिए भेजा है। इसलिए अपने शिक्षक दायित्व को समझते हुए बखूबी से शिक्षक भूमिका निभानी चाहिए।

भारतीय विद्या भवन स्थित एसपी कॉलेज कम्यूनिकेशन एंड मैनेजमेंट के मीडिया फेकल्टी और काउंसलर - रमेश प्रसाद साहू

सवाल- अध्यापक और गुरु में क्या अन्तर है?

जवाब - गुरु एक शक्तिशाली और पावरफुल शब्द है। जिसमें आध्यात्मिकता समाई हुई है। गुरु अध्यापक से ऊपर होता है। गुरु को परमात्मा की संज्ञा भी दी गई है। गुरु क्लास से बाहर भी गुरु है और क्लास के भीतर भी गुरु है। गुरु जब तक धरती पर है तब भी गुरु है और धरती से जाने के बाद भी गुरु ही रहेंगे। गुरु भावनात्मक होता है। जबकि, अध्यापक भावनात्मक नहीं होता। अध्यापक अध्ययन तक सीमित है जब तक अध्ययन कराएंगे तब तक वह अध्यापक हैं। गुरु अध्यापक श्रेणी से ऊपर होता है।

सवाल - टीचर्स और स्टूडेंट्स के बीच कैसा व्यवहार होना चाहिए?

जवाब - टीचर और स्टूडेंट्स एक सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों के बीच एक मधुर व्यवहार होना चाहिए। शिक्षक तभी कहलाता है जब स्टूडेंट्स होते हैं और स्टूडेंट्स तब कहलाते हैं जब शिक्षक होते हैं। इसलिए दोनों के कर्तव्य और दायित्व अलग-अलग है। गुरु आत्मसात करता है, उसके व्यवहार से, उसके जीवन से, उसके बोल से उसे अपने जीवन के भीतर उतार लेता है। वह चहुंओर प्रकाश फैलाता है। गुरु हमेशा प्रकाश की तरफ ले जाता है। गुरु शिष्य की परंपरा में बहुत सारे मिसाल हैं।

पहले की शिक्षा की अपेक्षा बहुत ज्यादा अंतर हुआ है। भारत अपनी शिक्षा को लेकर आगे बढ़ गया है। शिक्षा का विस्तार अधिक हुआ है। और समाज हित में शिक्षा अहम योगदान रहा है।

सवाल- कई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खबरों में देखने और सुनने को मिलता है कि, रक्षक ही भक्षक बन जाते हैं.! यानी टीचर और फीमेल स्टूडेंट्स को लेकर स्टूडेंट्स हैवानियत का शिकार होती हैं.! उसके लिए आप क्या कहेंगे. ?

जवाब - यह आत्मचिंतन करने वाली बात है। शिक्षक पथ भ्रमित हो जाए और भूल जाए कि, मेरा क्या कर्तव्य है। वहाँ पर वह शिक्षक नहीं है। इस स्थिति में छात्र भी अपनी मर्यादाओं को भूल जाए तो वह छात्र भी नहीं है। आज के युग में दोनों को समझना होगा दोनों को मर्यादाओं का पालन करना होगा। शिक्षक हम उन्हें कहते हैं जिन्हें आत्मबोध हुआ है जिन्हें समय का ज्ञान है।

जिनको देश का ज्ञान है। जिनको जीवन का ज्ञान है। अगर कोई शिक्षक यह नहीं समझ रहे हैं और गलत मार्ग पर चल रहे हैं। उन्हें शिक्षक और छात्र की संज्ञा नहीं मिलनी चाहिए। उस जगह कभी शिक्षा प्राप्ति नहीं हो सकती। एक शिक्षक को छात्र के प्रति और छात्र को शिक्षक के प्रति सकारात्मक विचार और विश्वास होना जरूरी है।

शार्ट न्यूज

कीमती धातुओं की चमक बरकरार

मुंबई। विदेशी बाजारों के सकारात्मक रुख के प्रभाव से आज घरेलू सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की चमक बरकरार रही, जिससे सोना 77 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 324 रुपये प्रति किलोग्राम चढ़ गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.07 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1710.20 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.02 प्रतिशत फिसलकर 1710.10 डॉलर प्रति रह गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.54 प्रतिशत चढ़कर 18.12 डॉलर प्रति औंस बोली गई। विदेशी बाजारों की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में देखा गया। इस दौरान सोना 77 रुपये बढ़कर 50445 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 75 रुपये उठकर 50525 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 324 रुपये महंगी होकर होकर 53346 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 302 रुपये मजबूत होकर 53993 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया नौ पैसे मजबूत

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की बिकवाली के साथ ही शेयर बाजार की तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 31 पैसे लुढ़ककर 79.87 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया तीन पैसे बढ़कर 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और बिकवाली की बदौलत 79.78 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा और इसी स्तर पर बंद हुआ। सत्र के दौरान लिवाली के दबाव में यह 79.90 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

अमिताभ बने डाबर रैड पेस्ट के ब्राण्ड अम्बेसडर

नयी दिल्ली। आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपने टूथ पेस्ट ब्रांड डाबर रैड पेस्ट का नया ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि श्री बच्चन जल्द ही इस उत्पाद के प्रचार प्रसार में नजर आयेंगे। कंपनी के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा, ''हमें खुशी है कि बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन अब डाबर रैड पेस्ट का नया चेहरा बन गए हैं। डाबर रैड पेस्ट पारम्परिक आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान का बेहतरीन संयोजन है, जो हमारे उपभोक्ताओं को सम्पूर्ण ओरल हाइजीन देता है। अपने भरोसे, लोकप्रियता, विश्वसनीयता और युवाओं एवं बुजुर्गों के साथ जुड़ने की अनूठी क्षमता के साथ श्री बच्चन ब्राण्ड डाबर रैड पेस्ट के मूल्यों की अभिव्यक्ति करते हैं। हम डाबर परिवार में उनका स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि उनके साथ यह साझेदारी ब्राण्ड की स्थिति एवं उपभोक्ताओं के साथ हमारे रिश्तों को और भी मजबूत बनाएगी।'' इस मौके पर श्री बच्चन ने कहा, ''डाबर रैड पेस्ट को एंडोर्स करते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 3.40 प्रतिशत की बढ़त लेकर 96.18 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 3.19 प्रतिशत चढ़कर 89.64 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

10 से शुरू होगा डीजेजीएफ 2022

'दिल्ली ज्वैलरी एंड जेम फेयर 2022' प्रगति मैदान में 350 से अधिक प्रदर्शकों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी बी2बी कार्यक्रम के आयोजक इंफोर्मा मार्केट्स इन इंडिया उत्तर भारत के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय ज्वैलरी ट्रेड शो दिल्ली ज्वैलरी एंड जेम फेयर (डीजेजीएफ) के 10वें संस्करण का आयोजन 10 से 12 सितम्बर तक प्रगति मैदान में करेगा। जिसका समय सुबह 10 बजे से शाम 06 बजे तक होगा। जिसमें 350 से अधिक एक्सहिबीटर्स , 1200+ ट्रेडिशनल , आधुनिक और इनोवेटिव डिजाइनर ब्रांड और 100000 से अधिक डिजाइन तीन दिवसीय एक्सपो का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। यह एक्सपो उद्योग के हितधारकों, प्रमुख ज्वैलर्स, आयात और निर्यात व्यापारियों की भागीदारी का साक्षी बनेगा। इस साल 10 अनूठी विशेषताओं को समाहित करके डीजेजीएफ उत्सव के साथ एक्सपो के 10वें संस्करण का जश्न मनाया जायेगा. वहीं डीजेजीएफ के 10वें संस्करण के बारे में जानकारी देते हुए 'इंफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया' के मैनेजिंग डायरेक्टर योगेश मुद्रास ने कहा, इंडियन जेम्स और ज्वेल्लेरी क्षेत्र में 3,00,000 से अधिक जौहरी हैं, जो बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। ग्लोबल ज्वेल्लेरी कंजम्पशन में लगभग 29 प्रतिशत का योगदान देने और नेशनल इकॉनमी में अग्रणी हिस्सेदार होने के नाते, रत्न और आभूषण क्षेत्र को महत्वपूर्ण सुधारों और समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार के हाल ही में काटे और तराशे गए हीरे और रत्नों पर सीमा शुल्क को 5त्न तक कम करने के उपायों के साथ, एमएसएमई के लिए ईसीएलजीएस का विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देता है। इससे प्रौद्योगिकी एवं कौशल को उन्नत करने और सेक्टर के विकास के अवसर खुलेंगे।

सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

मुंबई। विदेशी बाजारों की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर सत्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स और निफ्टी में आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 442.65 की छलांग लगाकर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 59245.98 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 115.75 अंक उछलकर 17655.20 अंक पर पहुंच गया। बीएसई का मिडकैप 0.46 प्रतिशत मजबूत होकर 25,581.20 अंक और स्मॉलकैप 0.89 प्रतिशत की बढ़त लेकर 29,056.74 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3736 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2208 में लिवाली जबकि 1348 में गिरावट रही वहीं 180 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 35 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 15 में गिरावट रही। बीएसई में पावर और तेल एवं गैस समूह की 0.32 प्रतिशत की बिकवाली को छोड़कर शेष 17 समूहों में तेजी रही। इस दौरान बेसिक मैटैरियल्स 0.91, सीडीजीएस 0.52, वित्त 0.71, इंडस्ट्रियल्स 0.58, दूरसंचार 0.93, बैंकिंग 0.89, कैपिटल गुड्स 1.07, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.54, रियल्टी 0.73, टेक 0.57 और धातु समूह के शेयर 2.04 प्रतिशत चढ़े। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा।

हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने लांच की ई मोटरसाइकिल ओक्सओ

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता कंपनी हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल हॉप ओक्सओ और ओक्सओ एक्स लॉंच करने की आज घोषणा की जिसकी कीमत क्रमश: 124999 रुपये और 139999 रुपये है।

कंपनी ने यहां कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के इकोसिस्टम में जबर्दस्त बदलाव लाते हुए, हॉप इलेक्ट्रिक उन जागरूक उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करना चाहता है, जो स्थायी (सस्टेनेबल) विकल्पों को अपनाने की कोशिश कर रहेहैं। उपभोक्ता इस इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को अपने नजदीकी हॉप एक्सपीरियंस सेटर से और ऑनलाइन खरीद कर सकते हैं।

हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के सीईओ और संस्थापक केतन मेहता ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों ने भारतीय बाजार में तहलका मचाया हुआ है। इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास को यह रफ्तार स्थायी, सुविधाजनक और अफोर्डेबल मोबिलिटी समाधानों की ओर उपभोक्ताओं के झुकाव से मिली है। हॉप ओक्सओ बरसों के शोध और अनुसंधान, सड़क पर बाइक के परीक्षण और हॉप के कर्मचारियों की लगातार कड़ी मेहनत का नतीजा है, जिन्होंने मार्केट में इस प्रगितशील ई-बाइक को लॉन्च करने के लिए अपना खून-पसीना एक कर दिया है। हमारे डीलर-पार्टनर्स ने लॉन्च से पहले ही इस ई-बाइक के 5000 उपभोक्ताओं का रजिस्ट्रेशन कर लिया है।

उन्होंने कहा कि हॉप ओक्सओ एक स्वेदशी इलेक्ट्रिक बाइक है, जो सभी आधुनिक और नए जमाने के उपभोक्ताओं की एकजगह से दूसरी जगह जाने की सभी जरूरतों को पूरा करती है। यह कई तरह की प्रमुख विशेषताओं से एकीकृत है। इसमें 5 इंच का एडवांस इंफॉर्मेशन डिस्प्ले है। धूल, गंदगी और पानी के छींटों से बचाव के लिए इस बाइक को आईपी67 की रेटिंग दी गई है। इसके साथ ही सहज और सुगमता से संचालन सुनिश्चित होता है। यह प्रॉडक्ट 72वी आर्किटेक्चर पर काम करता है। इसमें 6200 वॉट की पीक पावर मोटर है, जो 200 एनएम का व्हील टॉर्क प्रदान करती है। ओक्सओ में 3 राइड मोड (इको, पावर और स्पोर्ट) हैं। इसमें ओक्सओ एक्स एक एडिशनल टर्बो मोड है।

टर्बो मोड में हॉप ओक्सओ की टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटे है। यह केवल 4 सेकेंड में 40 किमी की रफ्तार पकड़ लेती है।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के प्रभाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के अलावा दाल-दलहन एवं अनाज की कीमतों में भी मिश्रित रुझान रहा वहीं मीठे के भाव पुराने स्तर पर स्थिर रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 29 रिंगिट बढ़कर 3859 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा 65.03 सेंट प्रति पौंड पर सपाट रहा। इस दौरान पाम ऑयल 366 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 50 रुपये चना दाल 50 रुपये और मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गेहूं 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई वहीं चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

भारत का विदेशी ऋण 8.2 प्रतिशत बढ़कर 620.7 अरब डॉलर पर पहुंचा

नयी दिल्ली। भारत का विदेशी ऋण मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में 620.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो मार्च 2021 में समाप्त वित्त वर्ष के 573.7 अरब डॉलर के ऋण की तुलना में 8.2 प्रतिशत अधिक है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की विदेशी ऋण प्रबंधन इकाई (ईडीएमयू) ने भारत के विदेशी ऋण 2021-22 पर स्थिति रिपोर्ट का 28वां संस्करण जारी किया है। मार्च 2022 के अंत में भारत का विदेशी ऋण 620.7 अरब डॉलर था, जो मार्च 2021 के अंत में रहे 573.7 अरब डॉलर के ऋण से 8.2 प्रतिशत अधिक था। जबकि इसका 53.2 प्रतिशत डॉलर के मूल्य वर्ग में था, भारतीय रुपये के मूल्य वर्ग का ऋण 31.2 प्रतिशत अनुमानित था जो दूसरी सबसे बड़ी राशि है।

मार्च 2022 के अंत में विदेशी ऋण सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में मामूली रूप से गिरकर 19.9 प्रतिशत हो गया जो एक साल पहले के 21.2 प्रतिशत था। विदेशी ऋण के अनुपात के रूप में विदेशी मुद्रा भंडार मामूली रूप से गिरकर मार्च 2022 के अंत में 97.8 प्रतिशत पर रहा जो एक साल पहले 100.6 प्रतिशत था।

दीर्घकालिक ऋण 499.1 अरब डॉलर अनुमानित था, जो 80.4 प्रतिशत का सबसे बड़ा हिस्सा था, जबकि 121.7 अरब डॉलर का अल्पकालिक ऋण ऐसे कुल ऋण का का 19.6 प्रतिशत था। अल्पकालिक व्यापार ऋण मुख्य रूप से व्यापार ऋण (96 प्रतिशत) वित्तपोषण आयात के रूप में था।

वाणिज्यिक उधार (सीबी), एनआरआई जमा राशि, अल्पकालिक व्यापार ऋण और बहुपक्षीय ऋण एक साथ मिलकर कुल विदेशी ऋण का 90 प्रतिशत है, जबकि मार्च 2021 के दौरान एनआरआई में मामूली कमी हुई तो दूसरी ओर सीबी अल्पकालिक व्यापार ऋण और बहुपक्षीय ऋण में इस अवधि के दौरान बढ़ोत ?तरी हुई। सीबी, अल्पकालिक व्यापार ऋण और बहुपक्षीय ऋण में बढ़ोत्तरी हुई जो कुल मिलाकर एनआरआई की जमाराशि में आई कमी से कही अधिक थी।

मार्च 2022 के अंत तक, संप्रभु विदेशी ऋण (एसईडी) की राशि 130.7 अरब डॉलर थी, जो पिछले साल के स्तर से 17.1 प्रतिशत अधिक है। यह 2021-22 के दौरान आईएमएफ द्वारा दी गई एसडीआर के अतिरिक्त आवंटन को दर्शाती है। मार्च 2021 के अंत एसडीआर 5.5 अरब डॉलर से बढ़कर 22.9 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर जी-सेक की एफपीआई होल्डिंग जो एक साल पहले 20.4 अरब डॉलर थी घटकर 19.5 अरब डॉलर हो गई।

मार्च 2022 के अंत में गैर-संप्रभु विदेशी ऋण 490.0 अरब डॉलर अनुमानित था जो एक वर्ष पहले के स्तर से 6.1 प्रतिशत अधिक है। सीबी, एनआरआई जमा राशि और अल्पकालिक व्यापार ऋण गैर-संप्रभु ऋण के लगभग 95 प्रतिशत है। मार्च 2022 के अंत में अल्पकालिक व्यापार ऋण 20.7 प्रतिशत बढ़कर 117.4 अरब डॉलर हो गया जिसमें वर्ष 2021-22 के दौरान आयात में हुई भारी बढ़ोत्तरी का योगदान है।

ऋण सेवा अनुपात वर्तमान प्राप्तियों में उछाल और ऋण सेवा भुगतान में कमी के कारण वर्ष 2020-21 में 8.2 प्रतिशत था जो 2021-22 के दौरान घटकर 5.2 प्रतिशत हो गया। मार्च 2022 के अंत में विदेशी ऋण के स्टॉक से उत्पन्न होने वाले ऋण सेवा भुगतान दायित्वों में आने वाले वर्षों में गिरावट का रुख होने का अनुमान है।

शार्ट न्यूज

जेमिमा को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिये नामांकित किया गया

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभावान ऑलराउंडर जेमिमा रोड्रिगेज को ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और ताहलिया मैक्ग्रा के साथ आईसीसी की अगस्त महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के लिये नामित किया गया है। रोड्रिगेज ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों में 146 रन बनाए और टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर रहीं। टूर्नामेंट में रोड्रिगेज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बारबाडोस के खिलाफ आया जहां उन्होंने 46 गेंदों पर 56 रन बनाए। जेमिमा ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 31 गेंदों पर 44 रन की नाबाद पारी खेली और उनके बहुमूल्य योगदान की बदौलत भारत ने चार रन से मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी। रोड्रिगेज के साथ प्लेयर ऑफ द मंथ खिताब के लिये मूनी और मैक्ग्रा को नामांकित किया गया है जो राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थीं।

गत चैंपियन मेदवेदेव यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क। ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने बड़े उलटफेर में यूएस ओपन के गत चैंपियन डेनिल मेदवेदेव को चौथे दौर में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। किर्गियोस ने रविवार रात को आर्थर ऐश स्टेडियम में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव को 7-6 (11), 3-6, 6-3, 6-2 से मात देकर पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। किर्गियोस सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये 27 वर्षीय केरन खचानोव का सामना करेंगे। 23वीं सीड किर्गियोस ने मेदवेदेव के खिलाफ 3-1 की बढ़त के साथ मैच में प्रवेश किया था, लेकिन अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में भी ग्रैंड स्लैम आयोजन में मेदवेदेव को हराना उनके लिये बड़ी चुनौती थी। अंततः, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दो घंटे और 53 मिनट के बाद टॉप सीड मेदवेदेव पर अपनी चौथी जीत दर्ज की। यूएस ओपन में मात खाने के कारण मेदवेदेव एटीपी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान गंवा देंगे। उनकी इस पराजय के बाद राफेल नडाल, कार्लोस अल्कराज या कैस्पर रूड में से कोई एक नंबर-एक बन सकता है।

गॉफ, जब्योर ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया

न्यूयॉर्क। अमेरिका की युवा सनसनी कोको गॉफ ने चीन की झांग शुआई की कड़ी चुनौती को पार करते हुए पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गॉफ ने रविवार को तीसरे दौर के मुकाबले में 33 वर्षीय झांग पर सीधे सेटों में 7-5, 7-5 से जीत दर्ज की। 18 वर्षीय गौफ 2009 के बाद से यहां क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी महिला है। इस साल की शुरुआत में रोलां गैरो में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने वाली गॉफ सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए फ्रांस की 17वीं सीड कैरोलिन गार्सिया का सामना करेंगी। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के अजला टॉमलानोविक और ऑन्स जब्योर ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीते। डब्ल्यूटीए दिग्गज सेरेना विलियम्स को तीसरे दौर में हराने वाली टॉमलानोविक ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-6 (8), 6-1 से हराकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। ट्यूनीशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जब्योर ने भी पहले सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 18वीं सीड वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 7-6(1), 6-4 से शिकस्त दी। यह ट्यूनीशियाई खिलाड़ी की कुदेरमेटोवा पर चार मुकाबलों में पहली जीत है।

नौसेना को हराकर क्वार्टरफाइनल में राजस्थान

कोलकाता। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने सोमवार को भारतीय नौसेना फुटबॉल टीम को हराकर डूरंड कप के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। यूसुफ एट्रिस (73%) और सर्जियो बारबोजा जूनियर (89%) ने दूसरे हाफ में गोल जमाकर यूनाइटेड के लिये शीर्ष-8 में जगह सुनिश्चित की। यूनाइटेड ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर रही जबकि मुंबई सिटी एफसी पहले ही शीर्ष पायदान के साथ क्वार्टरफाइनल पहुंच चुकी थी। शीर्ष दो टीमों की तरह सात अंक हासिल करने वाली एटीके मोहन बागान समूह के शुरुआती गेम में राजस्थान यूनाइटेड से हारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। यूनाइटेड को नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने के लिए जीत की जरूरत थी। उन्होंने नौसेना के खिलाफ फ्रंट फुट पर शुरुआत की, लेकिन गेंद ज्यादातर मैदान के बीच रही और दोनों टीमें कोई स्पष्ट मौका नहीं बना सकीं। राजस्थान ने दूसरे हाफ की शुरुआत नौसेना के गोल की ओर लगातार हमला करते हुए की। हर चाल गोल करने के अवसर की तरह लग रही थी। दूसरे हाफ के स्थानापन्न सर्जियो बारबोज़ा और 17 वर्षीय ग्यामर निकम ने यूनाइटेड की आक्रामकता में इजाफा किया, लेकिन नौसेना के कप्तान और कीपर वी के विष्णु के अनुकरणीय प्रदर्शन ने उन्हें गोल करने से रोका। यूनाइटेड ने आखिरकार 73वें मिनट में लेबनान के स्ट्राइकर युसुफ एट्रिस के जरिए नौसेना के डिफेंस को तोड़ा। बॉक्स के बाहर से राघव गुप्ता का एक शॉट विष्णु द्वारा अच्छी तरह से बचा लिया गया था, लेकिन रिबाउंड पर बारबोजा ने विष्णु को पार किया और यूसुफ ने एक टैप के जरिये बॉल को नेट में पहुंचाया।

नीरस मैचों में गढ़वाल, रॉयल रेंजर्स जीते

नयी दिल्ली। गढ़वाल एफसी ने कुमार रोनाल्डो सिंह के आत्मघाती गोल से हिंदुस्तान एफसी को हराकर प्रीमियर फुटबाल लीग में पूरे अंक तो हासिल किए लेकिन पूर्व चैंपियन टीम अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। विजेता टीम को अपने गोलकीपर तरणजीत सिंह का शुक्रगुजार होना चाहिए जिसने चार सुंदर बचाव कर गढ़वाल को हिंदुस्तान एफसी से बचा लिया। तरणजीत को मैन आफ द मैच आंका गया। आज की जीत के साथ गढ़वाल ने कुल 23 अंक जुटा लिए हैं। दिन के दूसरे मैच में रॉयल रेंजर्स ने बेहद नीरस मैच में फ्रेंड्स यूनाइटेड को 1-0 से हराया। रॉयल रेंजर्स और फ्रेंड्स यूनाइटेड के बीच खेला गया मैच खानापूरी वाला और लक्ष्य विहीन रहा। लंबी लीग का असर खिलाड़ियों पर साफ नजर आया, हालांकि कोंगो के सफीला डेली द्वारा जमाया गया गोल दर्शनीय था। विजेता टीम के दिनेश चौधरी को मैन ऑफ द मैच आंका गया।

देश के हर कोने में गोल्फ ले जाना हमारा उद्देश्य : पीजीटीआई

नयी दिल्ली। भारत में पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक संस्था प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी ने जम्मू-कश्मीर ओपन 2022 के आयोजन की घोषणा करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य गोल्फ को भारत के हर कोने में ले जाना है। जम्मू-कश्मीर ओपन 2022 इस आयोजन का दूसरा सत्र है जिसके माध्यम से गोल्फ पहली बार जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करेगा। श्री मुंडी ने इस आयोजन के साथ पीजीटीआई के उद्देश्यों के बारे में कहा, पीजीटीआई का उद्देश्य पेशेवर गोल्फ को भारत के हर कोने तक ले जाना है। हमने पिछले हफ्ते चेन्नई के कॉस्मो गोल्फ क्लब में एक आयोजन किया था। पीजीटीआई इससे पहले वहां कभी नहीं गया। हमारा लक्ष्य गोल्फ को उन जगहों पर ले जाना है जहां गोल्फ प्रचलित नहीं है। यह जम्मू-कश्मीर ओपन का दूसरा सत्र है, जबकि पहला सत्र सितंबर 2021 में श्रीनगर में आयोजित हुआ था। श्री मुंडी ने कहा, जम्मू-कश्मीर पर्यटन द्वारा आयोजित जम्मू-कश्मीर ओपन का दूसरा सत्र पीजीटीआई को उसके भौगोलिक पदचिह्न बढ़ाने में मदद करता है। यह टूर्नामेंट देश के अलग-अलग हिस्सों में गोल्फ को बढ़ावा देने के हमारे उद्देश्य के लिये सहायक है। हम इस आयोजन में जम्मू-कश्मीर पर्यटन और जम्मू तवी गोल्फ कोर्स के समर्थन के लिये उनका शुक्रिया अदा करते हैं। जम्मू-कश्मीर ओपन में इस बार ओलंपियन उदयन माने, राशिद खान, खलिन जोशी, युवराज सिंह संधू, गत चैंपियन हनी बैसोया, मनु गंडास और करनदीप कोचर सहित कई भारतीय दिग्गज हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा श्रीलंका के मिथुन परेरा, एन थंगाराज और बांग्लादेश के जमाल हुसैन भी प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

मेरे खराब समय में सिर्फ धोनी मेरे साथ आये : कोहली

दुबई। एशिया कप सुपर 4 टी20 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले विराट कोहली ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि उनके करियर के सबसे निचले दौर में महेंद्र सिंह धोनी के अलावा उनके पास कोई नहीं पहुंचा था।

कोहली ने रविवार को यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं आपको एक बात बता सकता हूं, जब मैंने टेस्ट कप्तानी छोड़ी तो मुझे केवल एक व्यक्ति का संदेश मिला। वह महेंद्र सिंह धोनी थे। कई लोगों के पास मेरा नंबर है। टीवी पर बहुत से लोग सुझाव देते हैं। लोगों के पास कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जिनके पास मेरा नंबर था, उनमें से किसी ने मुझे संदेश नहीं भेजा।

उन्होंने कहा, वह सम्मान, वह संबंध जो आपका किसी के साथ है, जब वह वास्तविक होता है तो इस तरह से दिखता है। न तो उन्हें (धोनी) को मुझसे कुछ चाहिए, न ही मुझे उनसे कुछ चाहिए। न ही वह मुझसे असुरक्षित महसूस करते थे और न ही मैं उनसे असुरक्षित महसूस करता था। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि अगर मैं किसी से कुछ कहना चाहता हूं, तो मैं व्यक्तिगत रूप से उस व्यक्ति तक पहुंचता हूं। कोहली ने यह टिप्पणी तब की जब उनसे पूछा गया कि वह पिछले दो वर्षों में उथल-पुथल वाले दौर से कैसे निपटे, जहां वह न केवल बड़े रन बनाने में असफल रहे, बल्कि महत्वपूर्ण पदों को भी खो दिया।

स्टार भारतीय बल्लेबाज ने आईपीएल और टी20 कप्तानी छोड़ दी थी और आश्चर्यजनक रूप से एक चयन बैठक से कुछ घंटे पहले अपनी एकदिवसीय कप्तानी भी खोई थी। इसके बाद कोहली ने सभी को चौंकाते हुए टेस्ट कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी।

कोहली ने पूर्व क्रिकेटरों और कमेंटेटरों पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि दुनिया के सामने सुझाव देना उनके लिए कोई मायने नहीं रखता, लेकिन उनके साथ आमने-सामने बात करना बहुत मायने रखता है, जिससे उनके खेल में सुधार हो सकता है।

उन्होंने कहा, अगर आप दुनिया के सामने सुझाव देते हैं, तो मेरे लिए इसका कोई मूल्य नहीं है। अगर यह मेरे सुधार के लिए है तो आप मुझसे प्रत्यक्ष रूप से बात कर सकते हैं कि मैं वास्तव में चाहता हूं कि आप अच्छा करें। मैं बहुत ईमानदारी के साथ जीवन जीता हूं, इसलिए मैं ऐसी चीजें देखता हूं।

कोहली एशिया कप 2022 के तीन मैचों में 126.22 के स्ट्राइक रेट से 154 रन बना चुके हैं। पांच हफ्ते के लंबे विश्राम के बाद टीम में शामिल हुए कोहली ने कहा कि व्यस्त क्रिकेट से ब्रेक लेना कोई बुरा विचार नहीं है। कोहली ने कहा, मैंने नहीं सोचा था कि मैं अपने बल्ले को छुए बिना एक महीना रहूंगा, लेकिन स्थिति ऐसी हो गई कि मुझे एक ब्रेक लेना पड़ा। खेल के लिए उस मानसिकता और आनंद को फिर से खोजना महत्वपूर्ण था। जब मैं खुश हूं तब मुझे पता है कि मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं।

उन्होंने कहा, मेरा खराब स्थान पर होना न तो टीम के लिए अच्छा है और न ही मेरे लिए। मुझे लगता है कि किसी को भी इससे दूर नहीं भागना चाहिए, अगर कोई नकारात्मक या कमजोर महसूस कर रहा है, तो ब्रेक लेना कोई बुरी बात नहीं है।

फाइनल की दौड़ में रहने के लिये श्रीलंका को हराना जरूरी

एजेंसी

दुबई। एशिया कप फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को मंगलवार को खेले जाने वाले सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका को पराजित करना होगा।

श्रीलंका और पाकिस्तान सुपर-4 में एक-एक मैच जीत चुके हैं जबकि भारत को अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। अगर भारत फाइनल की दौड़ से बाहर नहीं होना तो उसे श्रीलंका के खिलाफ यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

श्रीलंका के पास वानिंदू हसरंगा और महीष तीक्षणा के रूप में दो स्पिनर हैं जिनके आठ ओवरों में भारतीय बल्लेबाजी का रवैया मैच को काफी हद तक प्रभावित करेगा। रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली के जिम्मेदार कंधों के ऊपर इनसे निपटने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

दूसरी ओर भारत अब भी ऋषभ पंत बनाम दिनेश कार्तिक की बहस का हल नहीं निकाल सका है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में पंत को मौका दिया गया था लेकिन वह 12 गेंदों में सिर्फ 14 ही रन बना सके। अगर श्रीलंका के खिलाफ दिनेश कार्तिक टीम में वापसी करते हैं तो वह फिनिशर की कमी भी पूरी कर सकते हैं।

युज़वेंद्र चहल की खराब फॉर्म भी भारत के लिये चिंता का विषय है। उन्होंने एशिया कप 2022 में 12 ओवर 93 रन दिये है और सिर्फ एक विकेट हासिल किया है।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 24 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 17 में जीत दर्ज की है, लेकिन अपने पिछले दो मैचों में बंगलादेश और अफगानिस्तान पर बड़ी जीतें दर्ज करके आ रही श्रीलंका आत्मविश्वास से भरी हुई है और एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये रोहित शर्मा की टीम को कड़ी टक्कर देगी।

भारत ने जीत के साथ की सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप की शुरुआत

कोलंबो। भारत के अंडर-17 युवाओं ने सोमवार को कोलंबो के रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप के अपने शुरुआती मैच में भूटान के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। स्ट्राइकर थांगलसुन गंगटे ने पहले हाफ में दो गोल करके भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया, जिसके बाद कप्तान वनलालपेका गुइटे ने दूसरे हाफ में तीसरा गोल करके जीत सुनिश्चित की। ब्लू कोल्ट्स (भारतीय युवाओं) को बढ़त हासिल करने में केवल 10 मिनट का समय लगा और गंगटे ने रिकी मीतेई के पास की मदद से गोल जमाया। गंगटने ने इसके छह मिनट बाद बॉल को एक बार फिर नेट में पहुंचाया और भारत की बढ़त दोगुनी की। कोरू ने पहले हाफ के दौरान जोशीला खेल दिखाते हुए विपक्षी टीम के कई रक्षकों को पीछे छोड़ा और भारत के लिए अवसर पैदा किये, हालांकि वे अवसर गोल में तब्दील नहीं हुए। भारतीय कप्तान गुइटे ने दूसरे हाफ में बॉल को नेट तक पहुंचाकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की।

सैफ महिला चैंपियनशिप के लिये तैयार है टीम : कोच छेत्री

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के कोच सुरेन छेत्री ने सैफ महिला चैंपियनशिप 2022 के शुरू होने से पहले सोमवार को कहा कि भारतीय महिलाएं एक बार फिर खिताब जीतने के लिये तैयार हैं।

कोच सुरेन छेत्री ने संवाददाताओं से कहा, हम चैंपियनशिप के लिये तैयार हैं और खिलाड़ी अपना अभियान शुरू करने के लिये उत्साहित हैं। वह एक बार फिर खिताब जीतने के लिये कड़ी मेहनत कर रही हैं।

उन्होंने कहा, चैंपियनशिप जीतना हमेशा आसान होता है लेकिन अपने विजय रथ को बरकरार रखना एक अलग चुनौती है जिसे हमें पार करना होगा।

ब्लू टिग्रेस (भारतीय महिलाओं) को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, मालदीव और बंगलादेश के साथ रखा गया है।

बंगलादेश के मुख्य कोच गुलाम रब्बानी चोटोन ने कहा, हमारी लड़कियां एक बार में एक मैच पर ध्यान देने के लिये तैयार हैं, और यह एक अच्छी प्रतियोगिता होने वाली है।

मालदीव के मुख्य कोच दुंगा शरीफ ने कहा कि उन्हें मुश्किल ग्रुप में रखा गया है लेकिन वह इस चुनौती के लिये तैयार हैं।

शरीफ ने कहा, हम बेहद मुश्किल समूह में हैं लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की उम्मीद करते हैं। हम हर टीम को मुकाबला देना चाहते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि यह एक प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होने जा रहा है।

पाकिस्तान की सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही है और टूर्नामेंट से पहले आत्मविश्वास से भरी दिख रही है।

पाकिस्तान के मुख्य कोच अदील रिजकी ने कहा, इतने लंबे समय के बाद खेलना रोमांचक है लेकिन साथ ही थोड़ा चुनौतीपूर्ण भी है। हमने अपनी टीम को एक साथ रखने की कोशिश की है और हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं।

पाकिस्तान एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी टीम है और अंत तक लड़ेगी और अच्छी फुटबॉल खेलेगी।

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) महिला चैंपियनशिप छह सितंबर, 2022 को भारतीय समयानुसार शाम 5.15 बजे काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में शुरू होगी, जब भूटान का सामना मेजबान नेपाल से होगा।

भारत अपने अभियान की शुरुआत सात सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ दोपहर 12.45 बजे से करेगा। इलेवन स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म पर मैचों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

लिज ट्रस होंगी ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री, भारतीय मूल के ऋषि सुनक का टूटा सपना

लंदन। लिज ट्रस ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री होंगी। उन्होंने ऋषि सुनक को काफी पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल कर ली है। आखिरी चरण में लिज ट्रस को 81 हजार 326 वोट हासिल हुए हैं। वहीं ऋषि सुनक को 60 हजार 399 वोट ही मिले। सर्वे में भी बताया जा रहा था कि तीसरे यानी अंतिम चरण में लिज ट्रस ऋषि सुनक से काफी आगे चल रही हैं।

भारतीय समय के मुताबिक शाम 5 बजे नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा की गई। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद ब्रिटेन में समय से पहले चुनाव करवाए गए थे। खास बात यह है कि पांच राउंड में ऋषि सुनक ने लिज ट्रस को पीछे छोड़ दिया था लेकिन फाइनल राऊंड में जीत लिज ट्रस की हुई।

ऋषि सुनक बोरिस जॉनसन की सरकार में वित्त मंत्री रह चुके हैं। सबसे पहले उन्होंने ने ही कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। बताया जा रहा था कि बोरिस जॉनसन नहीं चाहते थे कि ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बनें। अंतिम चरण में कंजर्वेटिव पार्टी के करीब 1 लाख 60 हजार सदस्यों को वोट देना था। इसी चरण में ऋषि सुनक को हार का सामना करना पड़ा।

ब्रिटेन की तीसरी महिला प्रधानमंत्री

47 साल की लिज ट्रस ब्रिटेन की तीसरी महिला प्रधानमंत्री होंगी। उन्हें ब्रिटेन में फायरब्रैंड दक्षिणपंथी नेता के रूप में जाना जाता है। लिज से पहले मार्गरेट थैचर और थेरेसा महिला प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। बता दें कि आखिरी राउंड में कुल 82.6 फीसदी वोट पड़े थे।

654 वोट रिजेक्ट हो गए थे। बोरिस सरकार में लिज ट्रस विदेश मंत्री थीं। वह 6 बार मंत्री रह चुकी हैं।

बोरिस जॉनसन ने अपनी ही पार्टी में दबाव के चलते 7 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। हालांकि नए प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह कार्यभार संभाल रहे थे।

अब मंगलवार को जॉनसन प्रधानमंत्री के तौर पर आखिरी भाषण देंगे और अपना इस्तीफा सौंपने स्कॉटलैंड के एबरडीनशायर जाएंगे। वह क्वीन एलिजाबेथ को अपना इस्तीफा देंगे। स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कासल में लिज शपथग्रहण करेंगी। इसके बाद वह 10 डाउनिंग स्ट्रीट से प्रधानमंत्री के तौर पर पहला भाषण देंगी।

रूस में ज्वालामुखी पर चढ़ने के दौरान मरने वालों की संख्या आठ हुई

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचाटका प्रायद्वीप में क्लेयुचेवस्काया सोपका ज्वालामुखी पर चढ़ने के दौरान हुए हादसे में मरने वालों की संख्या आठ हो गयी है। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एजेंसी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि मौसम ठीक होने के बाद राहत एवं बचाव अभियान जारी रहेगा। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 10 रूसी पर्यटकों और दो गाइडों का एक समूह मंगलवार को चढाई पर निकला था। शनिवार को नौ लोगों ने क्लाईचेवस्काया सोपका ज्वालामुखी पर चढ़ाई शुरु की थी, जबकि तीन लोग 3,300 मीटर ऊंचाई पर शिविर में थे। ज्वालामुखी पर चढ़ाई के दौरान करीब 4,150 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हो गया। बचावकर्मी हेलीकॉप्टर के जरिए अन्य पर्वतारोहियों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

तालिबान के आरोपों पर बिफर गया पाकिस्तान, बोला- यह संबंधों के लिए अच्छी बात नहीं होगी

एजेंसी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में जब तालिबान कब्जा कर रहा था तब अगर कोई देश सबसे ज्यादा खुश था तो वह पाकिस्तान ही था। हालांकि अब पाकिस्तान और तालिबान के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है। तालिबान ने जब पाकिस्तान पर आरोप लगाए कि वह अमेरिका को अपने एयरस्पेस का इस्तेमाल करने दे रहा है तब पाक भी बिफर गया। उसने कहा कि ऐसे आरोप संबंधों के लिए सही साबित नहीं होंगे। तालिबान ने कहा था पाकिस्तान अफगानिस्तान के खिलाफ अमेरिका के ड्रोन को एयरस्पेस उपलब्ध करवा रहा है। इस्लामाबाद ने तालिबान से कहा है कि ऐसे आरोप द्विपक्षीय संबंधो को खराब कर देंगे। बता दें कि अल-कायदा के आतंकी आयमन अल-जवाहिरी की मौत के लगभग एक महीने बाद अफगानिस्तान के अंतरिम

रक्षा मंत्री मुल्ला मुहम्मद याकूब ने कहा था कि पाकिस्तान पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, हमारी जानकारी के मुताबिक अमेरिकी ड्रोन पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान में दाखिल होते हैं।

वे पाकिस्तानी एयरस्पेस का इस्तेमाल करते हैं। हमने इस्लामाबाद को बता दिया है कि अपने एयरस्पेस का इस्तेमाल हमारे खिलाफ ना होने दें। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने मुल्ला याकूब के इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि पहले की सरकार की तरह ही वे भी गलत आरोप लगा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव से भी त्रस्त है। इसके चलते दोनों देशों के संबंध खराब हो रहे हैं। इसके अलावा तालिबान की सत्ता आने के बाद से दोनों देशों में सीमा को लेकर भी तनाव बढ़ा है। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान से आतंकी लगातार सीमावर्ती इलाकों में हमला करते हैं।

बता देंकि अफगान जमीन पर अल-जवाहिरी की मौत से भी तालिबान शर्मिंदा हुआ है। दोहा में हुए समझौते में तालिबान ने वादा किया था कि वह अल-कायदा के साथ अपने सारे संबंध खत्म कर लेगा। अल-जवाहिरी के बाद तालिबान की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं पाकिस्तान ने कहा है कि किसी सबूत के बिना इस तरह से आरोप लगाना गलत है।

काबुल में रूसी दूतावास के बाहर धमाका, दो राजनयिकों समेत 20 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को रूसी दूतावास के गेट पर धमाका हुआ। बताया जाता है कि जिस वक्त यह धमाका हुआ वहां पर लोग वीजा के लिए लाइन लगाकर खड़े हुए थे। जानकारी के मुताबिक इस धमाके में दूतावास में तैनात दो राजनयिकों समेत 20 लोगों की मौत हुई है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती के मुताबिक यहां पर कई लोग वीजा के लिए लाइन लगाकर खड़े थे। एक रूसी राजनयिक आवेदकों का नाम पुकारने के लिए बाहर निकला। ठीक उसी वक्त यह धमाका हुआ। पुलिस के मुताबिक धमाका करने वाला एक आत्मघाती हमलावर था। हमले के बाद वह अंदर की तरफ जा रहा था, उसी वक्त हथियारबंद गार्ड्स ने उसे मार गिराया। फिलहाल किसी संगठन ने इस धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें कि तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान में हुआ यह पहला धमाका है। पिछले साल अमेरिका और नाटो की सेनाओं के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से इस्लामिक स्टेट ग्रुप से जुड़े स्थानीय हमलावरों ने तालिबान के ऊपर हमले बंद कर दिए थे।

चीन तिब्बत में डीएनए नमूने एकत्र कर रहा है?

बीजिंग। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि चीनी अधिकारी अपने माता-पिता की सहमति के बिना किंडरगार्टन के बच्चों सहित पूरे तिब्बत में डीएनए नमूने एकत्र कर रहे हैं। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को जारी एक नई रिपोर्ट में, संगठन ने दावा किया कि एक 'अपराध का पता लगाने' के अभियान के हिस्से के रूप में तिब्बत में पूरी आबादी के लिए व्यवस्थित डीएनए संग्रह अभियान दिखाने वाले नए सबूत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सबूत नहीं है कि लोग भाग लेने से इनकार कर सकते हैं या पुलिस के पास आपराधिक आचरण के विश्वसनीय सबूत हैं जो इस तरह के संग्रह को वारंट कर सकते हैं। इस तरह के उद्देश्य के लिए सामूहिक संग्रह जोड़ना एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन है और इसे आवश्यक या आनुपातिक के रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता है। सोमवार की रिपोर्ट में वर्णित डीएनए संग्रह अभियान 2019 में 'तीन महान (निरीक्षण, जांच और मध्यस्थता)' नामक एक पुलिस अभियान के तहत शुरू हुआ जिसे चीन की गहन जमीनी स्तर की पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

अफगानिस्तान में भूकंप से छह की मौत

असदाबाद। अफगानिस्तान के पूर्वी कुनार प्रांत में सोमवार को आए भूकंप में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गयी। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और मानवीय मामलों के प्रांतीय प्रमुख एहसानुल्लाह एहसान ने यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, स्थानीय समयानुसार तड़के करीब दो बजकर 30 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए और प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर नोर्गल जिले के मजार दारा इलाके में छह लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि पहाड़ी प्रांत में भूकंप से बड़ी संख्या में घर तबाह हो गए। जान-माल के नुकसान का सही आंकड़ा जानने के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

कैलिफोर्निया में जंगल की आग से दो की मौत

लॉस एंजिल्स। उत्तरी कैलिफोर्निया में सिस्कियौ काउंटी के शहर वीड के जंगल में लगी आग में दो लोगों की मौत हो गई। काउंटी के शेरिफ जेरेमिया लारू ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्री लारू ने बताया कि शहर के इस जंगल में शुक्रवार को लगी थी। आग से कम से कम 50 घर क्षतिग्रस्त हो गए, रविवार को कई लोगों को वहां से निकाला गया। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन द्वारा रविवार सुबह जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मिल फायर में अनुमानित 4,254 एकड़ (17.2 वर्ग किमी) भाग जल गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रेशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।